सिरसा में नशा उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण और समाज में मीडिया की भूमिका पर 'वार्ता' का आयोजन

पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शुक्रवार
5 दिसंबर, 2025
वर्ष: 24 अंक: 162
कुल पृष्ठ: 08
मूल्य : 1 रुपया

ख़बरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

'पुतिन का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही', पीएम मोदी ने साझा की पोस्ट

नई दिल्ली – रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को दो दिन के दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। इस यात्रा का उद्देश्य लगभग आठ दशक पुरानी भारत-रूस साझेदारी को और मजबूत करना है, एक ऐसी साझेदारी जो जटिल भू-राजनीतिक माहौल के बावजूद स्थिर बनी हुई है। हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति का स्वागत किया।

वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि अपने दोस्त, राष्ट्रपति पुतिन का भारत में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। आज शाम और कल हमारी बातचीत का इंतजार रहेगा। भारत-रूस की दोस्ती समय की कसौटी पर खरी उतरी है, जिससे हमारे लोगों को बहुत फायदा हुआ है।

बता दें कि, मोदी शुक्रवार को होने वाली 23वीं भारत-रूस शिखर वार्ता को लेकर बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से आज शाम पुतिन के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। दोनों के बीच होने वाली वार्ता का मुख्य विषय रक्षा संबंधों को मजबूत करना, भारत-रूस व्यापार को बाहरी दबाव से सुरक्षित रखना और छोटे मॉड्यूलर संयंत्रों में सहयोग की संभावनाओं की तलाश जैसे मुद्दों पर केंद्रित होगा।

मोटी-मोटी बातें

हरियाणा से बिहार तक NIA की बड़ी कार्रवाई: अवैध गोला-बारूद तस्करी नेटवर्क पर शिकंजा, दिल्ली ब्लास्ट केस से भी जोड़कर जांच

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने गुरुवार को हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार सहित कई राज्यों में एक साथ छापेमारी कर अवैध हथियार एवं गोला-बारूद तस्करी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने कुल 22 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है। यह मामला उत्तर भारत में फैले उन गिरोहों से जुड़ा है जो लंबे समय से अवैध हथियारों की सप्लाई चेन का हिस्सा रहे हैं। आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका NIA के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि यह हथियार तस्करी गिरोह किसी बड़े आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने की साजिश का हिस्सा हो सकता है। कई संदिग्धों के ठिकानों से महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य हासिल किए जा रहे हैं। एजेंसी पूरे नेटवर्क के मॉड्यूल को खंगालने में जुटी है।

दिल्ली ब्लास्ट केस से भी जुड़ रहे कनेक्शन

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस टेरर कॉन्सपिरेसी केस में NIA छापेमारी कर रही है, वही जांच दिल्ली के लाल किले के पास हुए हालिया ब्लास्ट से भी जुड़ रही है। जांच टीम को कुछ ऐसे सुराग मिले हैं, जिनसे दोनों मामलों के बीच संभावित लिंक तलाशे जा रहे हैं। एजेंसी अब यह पता लगा रही है कि ब्लास्ट केस के आरोपियों का इस हथियार तस्करी नेटवर्क से कोई सीधा या परोक्ष संबंध तो नहीं है।

उत्तर भारत में फैला तस्करी का जाल

जांच में सामने आया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार तक अपना नेटवर्क संचालित करता था। तस्करी के माध्यम से हथियारों की सप्लाई कई स्तरों पर होती थी। यह समूह काफी समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर था और इसे एक संभावित आतंकी मॉड्यूल के रूप में देखा जा रहा है।

हरियाणा, यूपी और बिहार में एक साथ छापे NIA अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार में 22 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। यूपी से बिहार के कई हिस्सों में हथियारों की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क पर विशेष फोकस किया जा रहा है। एजेंसी जल्द पूरे मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगी। जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियों की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

राहुल गांधी को मिली राहत जारी; कोर्ट ने मुकदमे पर रोक बढ़ाई, होगी विस्तृत सुनवाई

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा चलाने पर लगी रोक की अवधि अगले साल 22 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी है।

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने बृहस्पतिवार को गांधी की अपील स्वीकार कर ली और कहा कि वह मामले की विस्तार से सुनवाई करेगी। राहुल गांधी ने निचली अदालत के समन के खिलाफ इलाहाबाद हाई कोर्ट का रुख किया था लेकिन हाई कोर्ट ने 29 मई को उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद गांधी ने हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए लखनऊ की एक अदालत में लंबित इस मामले में आगे कोई कार्यवाही करने पर अगली सुनवाई तक के लिए रोक लगा दी थी। पीठ ने इससे पहले गांधी की कथित टिप्पणियों के बारे में उनसे सवाल किया था, "आपको कैसे पता कि भारत के 2,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र पर चीन ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है?"

पीठ ने कहा था, "बिना जानकारी के आपने ऐसे बयान क्यों दिए? अगर आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसी चीजें न करते।" इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और इस मामले में शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर गांधी की याचिका पर जवाब मांगा था। गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा था कि अगर नेता प्रतिपक्ष मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी।

रुपया और गिरा, अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचा, 1 US डॉलर की कीमत 90.43 रुपये

मुंबई: भारतीय रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 28 पैसे टूटकर अब तक के रिकॉर्ड निचले स्तर 90.43 पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की भारी बिकवाली, आयातकों की डॉलर मांग और रिज़र्व बैंक के सीमित हस्तक्षेप ने घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ाया है।

इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 90.36 पर खुला। कुछ ही देर में यह 90.43 प्रति डॉलर पर गिर गया — जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। बुधवार को पहली बार रुपया 90 के पार गया था और 90.15 पर बंद हुआ था। फॉरेक्स ट्रेडर्स के अनुसार, RBI ने MPC बैठक से पहले बाजार में बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप नहीं किया है, जिसके कारण दबाव और बढ़ा।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंथा नागेश्वरन ने कहा कि गिरता रुपया इस समय न तो महंगाई को प्रभावित कर रहा है और न ही निर्यात को। हालांकि आयात महंगा होने से पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स और जेम्स-ज्वेलरी जैसे क्षेत्रों पर लागत का दबाव बढ़ सकता है। डॉलर इंडेक्स 0.14% बढ़कर 98.99 पर। ब्रेंट क्रूड 0.49% बढ़कर 62.98 डॉलर प्रति बैरल। अंतरराष्ट्रीय व्यापार तनाव ने भी बाज़ारों में सतर्कता बढ़ाई है। फिनरेक्स ट्रेज़री के अनिल कुमार भांसाली का कहना है कि व्यापार समझौता होने तक रुपया 91 के स्तर की ओर भी बढ़ सकता है। क्रॉस-करेंसी उतार-चढ़ाव के बीच अब 5 दिसंबर को RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर बाज़ार की नजरें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कमजोर रुपये की वजह से RBI फिलहाल ब्याज दरों में कटौती से बच सकता है।

राज्यसभा में सांसदों ने उठाया प्रदूषण का मुद्दा

नयी दिल्ली– राज्यसभा में गुरुवार को कई सदस्यों ने वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया और राष्ट्रीय राजधानी तथा आसपास के शहरों में वायु प्रदूषण के ऊंचे स्तर पर चिंता व्यक्त की।

ओडिशा से बीजू जनता दल की सांसद सुलता देव ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया है कि यहां लोगों के स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के दलों ने लोकसभा चुनाव के समय '400 पार' का जो नारा दिया था वह दिल्ली में सफल हो गया है, यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार 400 के पार है। उन्होंने कहा कि औद्योगीकरण और विकास जरूरी है, लेकिन उद्योग लगाने के लिए पेड़ काटना जरूरी नहीं है।

उन्होंने कहा कि जाड़े में देश के दूसरे शहरों की तुलना में दिल्ली में फेफड़ें से जुड़ी बीमारी की दवाओं की बिक्री 14 प्रतिशत ज्यादा होती है। यह दिखाता है कि यहां प्रदूषण के कारण लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। छोटे बच्चे भी अस्थमा की बीमारी का शिकार हो रहे हैं।

कांग्रेस की रंजीत रंजन ने प्रदूषण के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों को एक समान जिम्मेदार बताते हुए कहा कि देश के 60 प्रतिशत जिले प्रदूषण की चपेट में हैं। पहले दिवाली के बाद की सर्दी गुदगुदाती थी, लेकिन अब डॉक्टर दिवाली के बाद दिल्ली छोड़ देने की सलाह देते हैं। लेकिन हर व्यक्ति के लिए यह संभव नहीं होता है। लोग प्रदूषण के कारण अपने घरों में बैठने के लिए मजबूर हैं, उनमें गुस्सा है। खिलाड़ी जॉगिंग के लिए नहीं जा पा रहे हैं, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

हरियाणा से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य सुभाष बरला ने ई-कचरे का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि देश में हर साल 50 लाख टन ई-कचरा पैदा होता है। घरों से निकलने वाला ई-कचरा कहीं भी फेंक दिया जाता है। इनके भीतर रासायनिक प्रतिक्रिया से जहरीले पदार्थ उत्पन्न होते हैं। ई-कचरे को लोग खुले में जलाते हैं जिससे जहरीली गैस निकलती है।

स्वराज कौशल ने एक वकील और इंसान के तौर पर अलग पहचान बनाई : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश की पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज के पति और मिजोरम के पूर्व राज्यपाल स्वराज कौशल के निधन पर दुख व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि स्वराज कौशल ने एक वकील के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाई। वे भारत के सबसे कम उम्र के गवर्नर बने और अपने कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर उन्होंने गहरी छाप छोड़ी।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''स्वराज कौशल के गुजर जाने से दुख हुआ। उन्होंने एक वकील और ऐसे इंसान के तौर पर अपनी अलग पहचान बनाई, जो कानूनी पेशे का इस्तेमाल जरूरतमंदों की जिंदगी बेहतर बनाने में करते थे।''

उन्होंने एक्स पोस्ट में आगे लिखा, ''वे भारत के सबसे कम उम्र के गवर्नर बने और अपने गवर्नर के कार्यकाल के दौरान मिजोरम के लोगों पर गहरी छाप छोड़ी। एक सांसद के तौर पर उनकी समझ भी काबिले-तारीफ थी। इस दुख की घड़ी में मेरी दुआएं उनकी बेटी बांसुरी और परिवार के दूसरे सदस्यों के साथ हैं।'' लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लिखा, ''मिजोरम के पूर्व राज्यपाल, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व सांसद स्वराज कौशल का निधन अत्यंत दुखद है। दिल्ली स्थित उनके निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी सुपुत्री, सांसद बांसुरी स्वराज व शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। स्वराज कौशल जी ने अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में न्याय, लोकतंत्र और राष्ट्रसेवा के उच्च मूल्यों को जीवंत रखा। उनका सरल, संवेदनशील और कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा।'' केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी स्वराज कौशल के निधन पर दुख जताया और लिखा, ''मिजोरम के पूर्व राज्यपाल और पूर्व राज्यसभा सांसद स्वराज कौशल के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है।

लाडवा विधानसभा को मिली बड़ी सौगात, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की स्वास्थ्य, शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ी घोषणाएँ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई महत्त्वपूर्ण घोषणाएँ कीं। उन्होंने संत शिरोमणि श्री सेन भगत महाराज के नाम से किसी एक शिक्षण संस्थान का नाम रखने की घोषणा की। साथ ही, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाडवा को 50 बिस्तरों वाले सब डिविजनल अस्पताल - कम - सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में अपग्रेड करवाने तथा रामशरण माजरा (बाबैन) में राजकीय महाविद्यालय की स्थापना किए जाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं वीरवार को जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा में आयोजित संत शिरोमणि श्री सेन भगत जी महाराज जयंती के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए की।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने खेत-खलिहान योजना के तहत खेतों के 25 किलोमीटर तक के रास्तों को पक्का करवाने की घोषणा की। इसके अलावा, 5 करोड़ की लागत से गांवों की फिरनियों को पक्का करवाये जाने तथा हलके के गावों में विकास कार्य के लिए 5 करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की। साथ ही, भूमि उपलब्ध होने पर लाडवा में एचएसवीपी का एक सेक्टर विकसित किया जाएगा।

महाग्राम योजना के तहत गांवों में की जाएगी सीवरेज व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि बाबैन और राम शरण माजरा गांव को मिलाकर तथा उमरी तथा डेरू माजरा गांव को मिलाकर महाग्राम योजना के तहत सीवरेज व्यवस्था तथा एसटीपी का निर्माण करवाया जायेगा। साथ ही, 38 गांवों में मौजूदा पुरानी / खराब एसी/पीवीसी पाइप लाइन को डीआई पाइप लाइन से बदलवाया जायेगा। लगभग 22.47 करोड़ रुपये की लागत से पिपली, बीर पिपली और आस-पास की रिहायशी कॉलोनियों में सीवरेज डलवाया जायेगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि इन्द्री रोड़, लाड़वा में सामुदायिक भवन बनाया जायेगा। लाडवा नगर पालिका में सूची अनुसार 23 विकास कार्य करवाए जायेंगें। इसके अलावा, लाडवा में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस का निर्माण करवाने, अम्बेडकर भवन का निर्माण करवाने तथा नगर पालिका के कार्यालय भवन का निर्माण करवाने की भी घोषणा की।

- **संत शिरोमणि श्री सेन भगत जी महाराज के नाम पर प्रदेश में किसी एक शिक्षण संस्थान का नाम रखने की घोषणा***
- **लाडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 50 बेड वाले सब-डिविजनल अस्पताल में होगा अपग्रेड**

उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा क्षेत्र की लोक निर्माण विभाग की 186.13 किलोमीटर की 82 सड़कें, जो डीएलपी अवधि में हैं, आवश्यकता अनुसार संबंधित एजेंसी द्वारा रख-रखाव करवाया जाएगा। 37.46 किलोमीटर की 9 सड़कों की 10 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से स्पेशल रिपेयर का कार्य करवाया जाएगा। 117 किलोमीटर की 30 सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

इसके अलावा, लाडवा विधानसभा क्षेत्र की मार्केटिंग बोर्ड की 81.71 किलोमीटर की 48 सड़कें, जो डीएलपी अवधि में हैं, आवश्यकता अनुसार संबंधित एजेंसी द्वारा रख-रखाव करवाया जाएगा। 34.73 किलोमीटर की 20 सड़कों की स्पेशल रिपेयर का कार्य करवाया जाएगा। वहीं, 6.36 किलोमीटर की 4 सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार में संत शिरोमणि श्री सेन जी महाराज छात्रावास के लिए संस्था द्वारा आवेदन करने पर नियमानुसार प्लॉट आवंटित करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, संस्था द्वारा एचएसवीपी, करनाल में प्लॉट के लिए जो आवेदन किया है, उसके आवंटन की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा हरियाणा कौशल रोजगार निगम में पिछड़ा वर्ग-ए और बी की पोस्टों में 27 प्रतिशत (16 + 11) आरक्षण छूट बारे की गई मांग को संबंधित विभाग से एग्जामिन करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पानीपत में संत शिरोमणि श्री सेन भगत जी महाराज के नाम से मुख्य भव्य द्वार बनाने की फिजिबिलिटी चैक करवाकर उसे करवाया जाएगा।

10 व 11 दिसम्बर को 361 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू

सोलन। मैसर्ज़ निम्र इंडस्ट्रीज प्रा. लि. नालागढ़ मे 21 पद व मैसर्ज़ सिद्धार्थ सुपर स्पिनिंग मिल नालागढ़ में 110 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू उप रोज़गार कार्यालय नालागढ़ में 10 दिसम्बर, 2025 को आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि मैसर्ज़ ऑरो स्पिनिंग मिल बद्दी में 200 पद तथा मैसर्ज़ स्काई मर्चेंट शिमला में 30 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू 11 दिसम्बर, 2025 को उप रोज़गार कार्यालय अर्की में आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 10वीं, 12वीं, आई.टी.आई., फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीकल, ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन व आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जगदीश कुमार ने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता संबंधी सभी अनिवार्य प्रमाण पत्रों व दस्तावेज़ों सहित 10 दिसम्बर, 2025 को प्रातः 10.30 बजे उप रोज़गार नालागढ़ तथा 11 दिसम्बर, 2025 को उप रोज़गार कार्यालय अर्की में प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नम्बर 78328-91722, 98053-60764 तथा 82199-71112 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

15 दिसम्बर को आयोजित होगी क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक

धर्मशाला। कांगड़ा क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण कांगड़ा धर्मशाला की बैठक 15 दिसम्बर 2025 को आयोजित की जाएगी। बैठक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय कांगड़ा स्थित धर्मशाला में आयोजित होगी। इस बैठक में आरटीए से संबंधित मामले पेश किए जाएंगे। बैठक में कार्यालय के अधीन प्राप्त 55 स्टेज कैरिज रूटों (18) सीटर) हेतू जिन प्रार्थियों/ वाहन मालिकों द्वारा28 जुलाई 2025 तक आनलाईन आवेदन किया है, उन पर चर्चा व उनका आवंटन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रूट परमिट ट्रांसफर, बसों की सीट क्षमता बढ़ाने / घटाने व बसों के रूट परमिट में नवीकरण आदि बारे चर्चा की जाएगी। सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण मनीष कुमार सोनी ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वह इन कार्यों से सबन्धित आवेदन पूर्ण दस्तावेज सहित परिवहन विभाग द्वारा संशोधित प्रपत्रों पर किसी भी कार्यालय दिवस पर 10 दिसम्बर 2025 तक जमा करवाए जिनकी जांच के पश्चात आवेदनों को बैठक में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। 10 दिसम्बर के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर बैठक में चर्चा नहीं की जाएगी। जिन प्रार्थियों एवं वाहन मालिकों द्वारा रूट परमिट को ट्रांसफर करने हेतु आवेदन किया गया है व विभाग द्वारा प्रकाशित रूटों हेतू 28 जुलाई 2025 तक आनलाईन आवेदन किया है, उनसे अपील की गई है।

मुख्यमंत्री ने धर्मशाला में डिजिटल फोरेंसिक डिवीजन और डीपीआरसी भवन का उद्घाटन किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज क्षेत्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल), धर्मशाला में डिजिटल फोरेंसिक प्रभाग और उन्नत उपकरण प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। यह सुविधा लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित है, जिसमें क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन से भी डेटा निकालने और उसका विश्लेषण करने में सक्षम उन्नत उपकरण शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, उच्च-परिशुद्धता फोरेंसिक विश्लेषण सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1.05 करोड़ रुपये की लागत से एक उन्नत उपकरण प्रयोगशाला स्थापित की गई है। इन प्रयोगशालाओं में स्थापित उपकरणों की कीमत लगभग 1.50 करोड़ रुपये है। इन सुविधाओं से हिमाचल प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में फोरेंसिक जाँच में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि नवगठित प्रभाग, अपराध स्थलों से प्राप्त साक्ष्यों को संरक्षित करने और उनकी जाँच करने में जाँच एजेंसियों की बहुत सहायता करेगा, विशेष रूप से उन मामलों में जहाँ निर्धारित सजा सात वर्ष या उससे अधिक है। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 3.92 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी), कांगड़ा के नए भवन का उद्घाटन किया और धर्मशाला में 2.26 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित होने वाले जिला परिषद, कांगड़ा के डीपीओ स्टाफ क्वार्टर की आधारशिला भी रखी। इस अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह, विधायक सुरेश कुमार, मुख्य सचिव संजय गुप्ता और सचिव पीआर एंड आरडी सी. पॉलरासु भी उपस्थित थे।

05 दिसम्बर को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 05 दिसम्बर, 2025 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता राहुल वर्मा ने दी। राहुल वर्मा ने कहा कि 05 दिसम्बर, 2025 को प्रातः 09.30 बजे से सांय 05.30 बजे तक आयकर कार्यालय, बी.एस.एन.एल. कॉलोनी, शिव मंदिर के समीप न्यू कथेड़ एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि इसी दिन प्रातः 09.30 बजे से प्रातः 10.30 बजे तक तथा सांय 04.30 बजे से सांय 05.30 बजे तक सूर्य विहार, खुंडीधार, साईं मंदिर, क्वागड़ी, शयोथल, मैरेडियन, डमरोग, धरांजटी, बडखोर, चिल्ला, बग्गर, आंजी, बलाणा एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि 05 दिसम्बर, 2025 को प्रातः 09.30 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक तथा सांय 04.30 बजे से सांय 05.30 बजे तक न्यू कथेड़, पुलिस लाईन, जेल, सब्जी मण्डी, कथेड़, चामुंडा कॉलोनी, आई.टी.आई. के समीप एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। राहुल वर्मा ने कहा कि खराब मौसम व किन्हीं अपिरहार्य कारणों से उक्त तिथि व समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल साहला के छात्र -छात्राओं ने देखी सदन की कार्यवाही

● विधान सभा अध्यक्ष ने बताया कैसे चलती है सदन की कार्यवाही

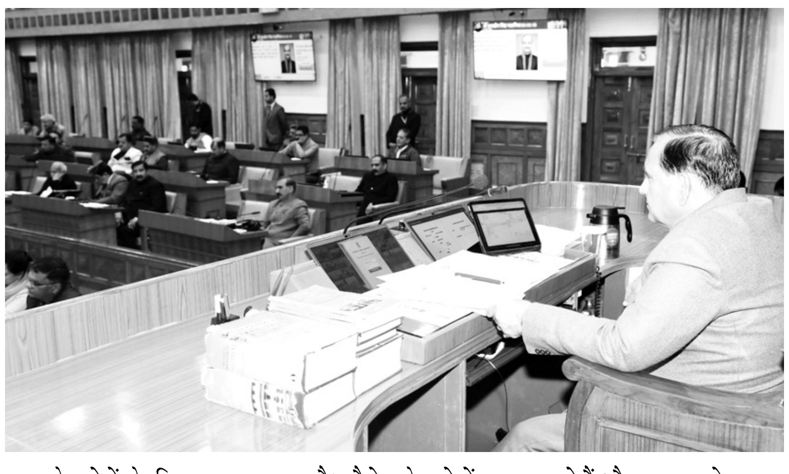

धर्मशाला। तपोवन विधान सभा में चल रहे शीतकालीन सत्र की कार्यवाही देखने आए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल साहला (भटियात) के छात्र- छात्राओं ने सदन की कार्यवाही को देखने से पहले हि0प्र0 विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से मुलाकात की। इस अवसर पर छात्रों ने विधान सभा अध्यक्ष से आज होने वाली कार्यवाही तथा विधान सभा की भूमिका, गठन तथा स्पीकर पद के महत्व पर प्रकाश डालने का आग्रह किया जिसका विधान सभा अध्यक्ष ने सलिसिलेवार उत्तर देते हुए कहा कि विधानसभा एक राज्य का कानून बनाने वाला सदन है. जैसे हमारे स्कूल में अलग-अलग कक्षाएँ होती है, वैसे ही राज्य में अलग अलग क्षेत्र होते हैं. और हर क्षेत्र से एक नेता चुना जाता है. जिसे विधायक कहतेहैं। ये विधायक मिलकर विधानसमा बनाते हैं। विधानसभा का मुख्य काम राज्य के लोगों के लिए कानून बनाना है। जैसे स्कूल में नियम होते है. वैसे ही राज्य को चलाने के लिए कानून जरूरी होते हैं। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं से संवाद के दौरान पठानियां ने कहा कि जिस राजनीतिक दल के सबसे ज्यादा विधायक जीतते हैं वह दल मिलकर सरकार बनाता है। सरकार का मुखिया मुख्यमंत्री कहलाता है। विधान सभा में विधायक सरकार से लोगों की समस्याओं के बारे में सवाल पूछते हैं और सरकार को उसका जवाब देना होता है। सरकार हर साल बताती है कि यह लोगों के लिए क्या- क्या काम करेगी और उसके लिए कितना पैसा खर्च होगा। इसे बजट कहते हैं और विधान सभा इसे पास करती है।

उन्होने कहा कि विधान सभा में एक स्पीकर होता है जो सदन की कार्यवाही को नियंत्रित करता है जैसे स्कूल में प्रिंसिपल असेंबली को चलाते हैं। इसके अतिरिक्त जो दल सरकार नहीं बनाते वे विपक्ष कहलाते हैं। विपक्ष का काम सरकार के कामों पर नजर रखना और लोगों की आवाज उठाना होता है। विधान सभा में किसी भी मुद्दे पर खूब वहस होती है जिसमें विधायक अपनी-अपनी राय रखते हैं। जब कोई कानून बनाना होता है तो विधायक उस पर वोट करते हैं। जिस तरफ ज्यादा वोट होते हैं वह कानून बन जाता है।

पठानियां ने कहा कि विधान सभा लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह लोगों को अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार में भाग लेने का मौका देता है। विधान सभा अध्यक्ष ने सभी छात्र-छात्राओं को सदन के अन्दर होने वाली कार्यवाही को देखने के लिए आमंत्रित भी किया और सभी बच्चों को अपनी ओर से शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के कलियारा में बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम का किया लोकार्पण

कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए अतिरिक्त धन राशि शीघ्र की जाएगी जारी

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा विपक्ष के विरोध के बावजूद कई महत्त्वपूर्ण सुधार लागू किए गए हैं। इन ईमानदार प्रयासों के परिणामस्वरूप, प्रदेश अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में देश में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि पूर्व सरकार के कार्यकाल में यह 21वें स्थान पर था।

यह बात मुख्यमंत्री ने आज शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के कलियारा में नवनिर्मित बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम का लोकार्पण करने के उपरांत कही। यह स्टेडियम 3.36 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है, जिसमें बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट और फिटनेस सेंटर की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए 100 राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों पर आधारित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना और उनमें आत्मविश्वास विकसित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के कलियारा विद्यालय में भी सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करने को स्वीकृति दी गई है। यहां विज्ञान और वाणिज्य वर्ग शुरू किए जाएंगे तथा उचित ड्रेस कोड लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीबीएसई पाठ्यक्रम वाले स्कूलों में विद्यार्थियों को मोबाइल फोन लेकर आने की अनुमति नहीं होगी, ताकि वे अपनी पढ़ाई, खेल व सह-पाठ्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 460 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है, जिससे यहां बड़े विमानों की आवाजाही संभव हो सकेगी। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, हवाई सम्पर्क सुविधा में सुधार होगा और क्षेत्र में रोजगार के और अधिक अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए शीघ्र ही और धनराशि भी जारी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र राज्य सरकार की दूसरी सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुराने उपकरणों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की नवीन मशीनरी से बदलने पर बल दिया गया है। सरकार आईजीएमसी शिमला, टांडा चिकित्सा महाविद्यालय तथा चमियाणा स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में एम्ज दिल्ली जैसी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए 78 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। इससे विभिन्न बीमारियों के लिए अधिक सटीक रक्त जांच रिपोर्ट उपलब्ध होंगी।

उन्होंने क्षेत्र के किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र के माध्यम से रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने पहली बार प्राकृतिक खेती से उगाई गई गेहूं, मक्की और हल्दी पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान किया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री (डॉ.) कर्नल धनी राम शांडिल ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कांगड़ा जिले के लुथान में सुख-आश्रय परिसर के माध्यम से बेसहारा बच्चों, महिलाओं और वृद्धजनों को आश्रय सहयोग प्रदान करने की पहल की है। यह आधुनिक आवासीय परिसर मुख्यमन्त्री सुख-आश्रय योजना के तहत 400 व्यक्तियों की क्षमता के साथ बनाया जा रहा है।

कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र को सुदृढ़ करने में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण : मनमोहन शर्मा

ज़िला स्तरीय सलाहकार समिति की 181वीं त्रैमासिक बैठक तथा आरसेटी की 53वीं बैठक आयोजित

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि ज़िला के समस्त बैंकों को ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आर्थिकी सुदृढ़ करने के लिए कृषि आधारित क्षेत्र तथा पशुपालन में अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध करवाना चाहिए ताकि ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर रोज़गार के बेहतर अवसर सृजित किए जा सकें। मनमोहन शर्मा आज यहां ज़िला स्तरीय सलाहकार समिति की 181वीं त्रैमासिक बैठक तथा यूको ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) की 53वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत के प्रत्येक वार्ड को बैंकिंग तथा ऑनलाइन बैंकिंग के बारे में जागरूक करना आवश्यक है ताकि कोई भी व्यक्ति ठगी का शिकार ना हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक सदस्य को वित्तीय शिक्षा के बारे में जागरूक करने के लिए ग्रामीण स्तर पर ग्राम पंचायत के प्रत्येक वार्ड में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन करें। उन्होंने बैठक में प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जन सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना व स्टैंड अप इंडिया योजना, डॉ. वाई.एस. परमार ऋण योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत ज़िला वासियों को अधिक से अधिक ऋण व जीवन बीमा के अंतर्गत कवर करने के निर्देश दिए। उन्होंने घर-घर के.सी.सी. अभियान पर अधिक बल देने के निर्देश भी दिए ताकि लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त किया जा सके।

उपायुक्त ने कहा कि बैंक वार्षिक ऋण योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित बनाएं। समय पर लक्ष्य प्राप्त होने से लोगों की आर्थिक आवश्यकताएं बेहतर तरीके से पूरी की जा सकती हैं। उन्होंने किसानों के अधिक से अधिक क्रेडिट कार्ड बनाने, कृषि उपकरणों के लिए ऋण प्रदान करने तथा लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि यूको आरसेटी को कृषि व्यवसाय से सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ करने की सम्भावनाएं तलाशनी चाहिएं। यूको ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान (यूको आरसेटी) को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने चाहिएं, जो युवाओं को रोज़गार एवं स्वरोज़गार के बेहतर अवसर प्रदान कर सकें। भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक राहुल जोशी ने बैंकों को समय-समय पर जारी होने वाले दिशा-निर्देशों की जानकारी दी तथा इनकी अनुपालना का आग्रह करते हुए सभी बैंक अधिकारियों से खण्ड स्तरीय कार्यशाला तथा प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित रहने के निर्देश भी दिए। बैठक में वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत सलाहकार समिति द्वारा बैंकों को ऋण प्रदान करने के लिए दिए गए लक्ष्यों की सघन समीक्षा भी की गई। बैठक में ज़िला के अग्रणी बैंक यूको बैंक की प्रबंधक तमन्ना मोदगिल द्वारा जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत सोलन ज़िला में 30 सितम्बर, 2025 तक 4398 लाभार्थियों को 214.53 करोड रुपए की राशि स्वीकृत की गई। इसमें शिशु श्रेणी के तहत 548 लाभार्थियों को लगभग 9 करोड़ 47 लाख रुपए, किशोर श्रेणी में 2469 व्यक्तियों को लगभग 48 करोड़ 07 लाख रुपए तथा तरूण श्रेणी के तहत 1240 लाभार्थियों को लगभग 80 करोड़ 89 लाख रुपए व तरुण प्लस के लगभग 141 लाभार्थियों को 76 करोड़ 14 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसी तरह स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत 41 व्यक्तियों को 10 करोड़ 11 लाख रुपए की राशि वितरित की गई। उन्होंने अवगत करवाया कि ज़िला में 30 सितम्बर, 2025 तक पशुपालन तथा मत्स्य पालन के अंतर्गत 3232 किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए गए हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 278 आवेदनों में से 114 लाभार्थियों को लाभ पहुंचाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वरोज़गार मिशन के तहत सितंबर, 2025 तक विभिन्न बैंकों में पंजीकृत 1180 स्वयं सहायता समूहों को 1730 करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध करवाया जा चुका है।

बैठक में ऑनलाइन बैंकिंग के विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। यूको आरसेटी की निदेशक मीनू बारियां ने कहा कि यूको बैंक ग्रामीण स्वरोज़गार प्रशिक्षण संस्थान सोलन के माध्यम से सितम्बर, 2025 तक 08 विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत 18 से 50 आयु वर्ग के 249 पात्र प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इच्छुक युवक व युवतियां अपनी रुचि अनुसार विषय चुनकर प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर ज़िला परिषद सोलन के अध्यक्ष रमेश ठाकुर, नाबार्ड के ज़िला विकास प्रबंधक अशोक चौहान, हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति व जनजाति विकास निगम के महाप्रबंधक अजय राघव, उप निदेशक कृषि डॉ. देव राज कश्यप, विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित विभिन्न बैंकों के प्रबंधक तथा प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीएम ने शाहपुर के कलियारा में बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया

● कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए अतिरिक्त धनराशि जल्द जारी की जाएगी

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कि विरोध के बावजूद शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है, कहा कि वर्तमान सरकार ने इस क्षेत्र को मज़बूत बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, हिमाचल प्रदेश ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया है, जो पिछली सरकार के कार्यकाल के 21वें स्थान से काफ़ी बेहतर है। मुख्यमंत्री कांगड़ा के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के कलियारा में नए बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। 3.36 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस स्टेडियम में बास्केटबॉल, बैडमिंटन और एक फिटनेस सेंटर की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

उन्होंने ग्रामीण शिक्षा में सुधार, छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने और उनमें आत्मविश्वास जगाने के लिए 100 सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को सीबीएसई पाठ्यक्रम में बदलने के सरकार के फैसले पर प्रकाश डाला। शाहपुर स्थित कलियारा स्कूल को सीबीएसई में बदलने की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है, जहाँ उचित ड्रेस कोड के साथ विज्ञान और वाणिज्य संकाय शुरू किए जाएँगे। उन्होंने बताया कि सीबीएसई स्कूलों में छात्रों को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी, जिससे पढ़ाई, खेलकूद और पाठ्येतर गतिविधियों पर उनका ध्यान केंद्रित हो सके। बुनियादी ढाँचे के मुद्दे पर, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 460 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं ताकि बड़े विमानों की सुविधा उपलब्ध हो सके, पर्यटन को बढ़ावा मिले, कनेक्टिविटी में सुधार हो और युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा हों। उन्होंने कहा कि जल्द ही अतिरिक्त धनराशि जारी की जाएगी।

उन्होंने स्वास्थ्य को सरकार की दूसरी प्राथमिकता बताते हुए कहा कि आईजीएमसी शिमला, टांडा मेडिकल कॉलेज और चमियाना स्थित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए 78 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे अधिक सटीक जांच और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित होंगी। किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने पहली बार इस पद्धति से उगाई गई गेहूं, मक्का और हल्दी के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू किया है, जिससे कृषि में रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने मुख्यमंत्री सुखू के नेतृत्व की सराहना की तथा कांगड़ा के लुथान में सुख-आश्रय परिसर जैसी पहलों पर प्रकाश डाला, जो 400 लोगों की क्षमता वाली मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत बेसहारा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को आश्रय प्रदान करता है। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ सरकार के अभियान में सामाजिक समर्थन की भी अपील की। उप मुख्य सचेतक एवं स्थानीय विधायक केवल सिंह पठानिया ने कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार कार्य के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया, जो निकट भविष्य में क्षेत्र में समृद्धि लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत वैकल्पिक फसलों की बुआई करने पर कृषि विभाग ने दिया बल

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा मेरा पानी मेरी विरासत योजना के तहत धान की फसल को वैकल्पिक फसलों जैसे कपास, मक्का, अरहर, मुंग, मोठ, उड़द, सोयाबीन, ग्वार, तिल, अरण्डी, मुंगफली, फल व सब्जियां, खरीफ प्याज, खरीफ चारा व कृषि वानिकी (सफेदा व पोप्लर) द्वारा विविधिकरण करने के लिए जिला में 1500 एकड का लक्ष्य दिया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक श्री सुरेंद्र यादव ने बताया कि किसान अपने पिछले वर्ष बोये गए धान के क्षेत्र को उपरलिखित वैकल्पिक फसलों में बदल सकता है। वर्ष 2025 से पहले किसान द्वारा पंजीकरण करने के पश्चात मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर सत्यापन उपरांत किसान को 7000 रूपये प्रति एकड़ की दर से वित्तिय सहायता प्रदान की जाती थी जोकि इस वितीय वर्ष से 8000 रूपये प्रति एकड़ कर दी गई है और डी0बी0टी0 के तहत किसान के खाते में जमा कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि स्कीम के तहत किसान द्वारा पिछले वर्ष बोई गई धान के खेत को खरीफ 2025 में खाली रखने पर भी वित्तिय सहायता प्रदान की जाएगी। उक्त योजना का लाभ लेने के लिए किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त यदि उपरलिखित वैकल्पिक फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है तो उक्त फसलों की 100 प्रतिशत खरीद हरियाणा सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाएगी।

उन्होंने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा कि भूमिगत जल के संरक्षण हेतू धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसलें बोने के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवाएं व अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि/बागवानी कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

‘युद्ध नशों विरुद्ध’: 278वें दिन पंजाब पुलिस ने 2.5 किलो हेरोइन सहित 66 नशा तस्करों को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों के पूरी तरह उन्मूलन के लिए चलाई गई व्यापक मुहिम "युद्ध नशों विरुद्ध" के लगातार 278वें दिन पंजाब पुलिस ने 257 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके परिणामस्वरूप राज्यभर में 66 नशा तस्करों को गिरफ्तार करते हुए 52 एफआईआर दर्ज की गईं। इसके साथ ही 278 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 39,175 हो गई है।

छापेमारियों के दौरान पकड़े गए तस्करों के कब्जे से 2.5 किलो हेरोइन, 40 किलो भुक्की, 387 नशीली गोलियां और 700 रुपये की ड्रग मनी बरामद हुई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ इस जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

57 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 700 से अधिक पुलिस कर्मचारियों की नफरी वाली 100 से अधिक पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 257 स्थानों पर छापेमारी की। पुलिस टीमों ने पूरे दिन चले इस ऑपरेशन के दौरान 252 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - एनफोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन - लागू की है। ‘नशा छुड़ाओ’ अभियान के हिस्से के रूप में पंजाब पुलिस ने आज 50 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए राज़ी किया है।

"सलाखों के पीछे ज़िंदगियों का सशक्तिकरण" के तहत जेलों में स्थापित होंगी 11 आई.टी.आई: जेल न्याय में क्रांतिकारी बदलाव की पहल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य भर की जेलों में कौशल आधारित पहलों को बढ़ावा देने के लिए पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा जेल विभाग पंजाब तथा तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग पंजाब के सहयोग से एक विशेष कार्यक्रम "सलाखों के पीछे ज़िंदगियों का सशक्तिकरण": जेल न्याय में क्रांतिकारी बदलाव बनाया गया है जिसका उद्घाटन भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश, श्री न्यायमूर्ति सूर्या कांत द्वारा 6 दिसंबर 2025 को सेंट्रल जेल, पटियाला में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से माननीय सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

यह पहल पंजाब की जेलों को शिक्षा और पुनर्वास केंद्रों में बदलने का एक अनूठा प्रयास है। इसके तहत पंजाब स्किल डिवेलपमेंट मिशन के सहयोग से राज्य की सभी 24 जेलों में लगभग 2,500 कैदियों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वोकेशनल ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य जेलों के अंदर कुल 11 आई.टी.आई. की स्थापना करना है, जिनमें वेल्डिंग, इलेक्ट्रीशियन, प्लंबिंग, सिलाई तकनीक, कॉस्मेटोलॉजी, सीओपीए तथा बेकरी जैसी ट्रेडों में एनसीवीटी मान्यता प्राप्त दीर्घकालीन कोर्स कराए जाएंगे। इसके साथ ही टेलरिंग, जूट एवं बैग निर्माण, बेकरी, प्लंबिंग, मशरूम खेती, कंप्यूटर और अन्य कौशलों में एनएसक्यूएफ-अनुकूल अल्पकालिक कोर्स भी शामिल किए जाएंगे।

इस अवसर पर पंजाब राज्य कानूनी सेवाएं प्राधिकरण द्वारा एक महीने की राज्य स्तरीय नशा-विरोधी मुहिम का भी माननीय मुख्य न्यायाधीश द्वारा औपचारिक उद्घाटन किया जाएगा। यह राज्यव्यापी मुहिम 6 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक चलेगी, जिसके दौरान जनता को नशों से दूर रहने संबंधी जागरूकता कैंप, कानूनी जागरूकता और पुनर्वास संबंधी जानकारी देने के लिए जनता को जागरूक किया जायेगा।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज का कांग्रेस पर तीखा हमला- "रेणुका चौधरी की भौं-भौं अब कांग्रेस की ऑफिशियल भाषा"

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज विभिन्न राजनीतिक घटनाक्रमों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कई मुद्दों पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने संसद में कांग्रेस नेता रेणुका चौधरी द्वारा कुत्ता लेकर आने और विशेषाधिकार प्रस्ताव पर उनकी प्रतिक्रिया को लेकर अनिल विज ने पूरे कांग्रेस संगठन को कठघरे में खड़ा किया और कटाक्ष करते हुए कहा कि "रेणुका चौधरी का भौं-भौं करके वहां से जाना इस बात को दिखाता है कि अब यह कांग्रेस की ऑफिशियल भाषा बन गई है। वह पार्टी की प्रवक्ता भी हैं, संभवतः इसी लिए कुत्ते को लेकर आईं ताकि देश को दिखाया जा सके कि कांग्रेस के पीछे से कौन बोलता है।"

आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए श्री विज ने अटल बिहारी वाजपेयी के नाम का हवाला देकर कांग्रेस की तुलना को गलत बताया और कहा कि वाजपेयी बढ़ते तेल दामों के विरोध में बैलगाड़ी से आए थे। उन्होंने तंज कसकर सवाल करते हुए कहा कि "आप किसके विरोध में आए हो? आपका कुत्ता किस बात से परेशान है? क्या उसे रोटी नहीं देते, क्या वह प्रोटेस्ट करने आया था?" राहुल गांधी द्वारा मोदी सरकार पर जातीय जनगणना को लेकर ठोस योजना न होने के आरोप पर श्री अनिल विज ने कहा कि "राहुल गांधी को नरेंद्र मोदी को समझने के लिए अभी सौ जन्म और लेने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी जो भी काम करते हैं, पूरी योजना और रणनीति के साथ करते हैं।" हरियाणा कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी की घटना को लेकर उठाए प्रश्नों का विज ने कड़ा जवाब दिया और कहा कि "अगर एक जगह कोई गलत घटना हो गई तो इसका अर्थ यह नहीं कि योजना गलत है।

एसडीएम ने समाधान शिविर में सुनी 10 लोगों की समस्याएं

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया ने समाधान शिविर में जिला के अधिकारियों को निर्देश दिए। समाधान शिविर में आई जिलावासियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर व तय समय सीमा में समाधान करें।

श्री कटारिया ने गांव जौधपुर के मंदीप की जंगली जानवरों द्वारा फसलें खराब करने पर संज्ञान लेते हुए वाईल्ड लाईफ विभाग के अधिकारी को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने व पीडित की सहायता करने के निर्देश दिए।

एसडीएम लघु सचिवालय के सभागार में आज सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होने समाधान शिविर में 10 लोगों की समस्याएं सुनी व संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

श्री कटारिया ने बताया कि समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिले में सोमवार व वीरवार को कार्यदिवस के दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होने बताया कि समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं की मुख्यमंत्री स्वयं मानिटरिंग करते हैं और समाधान शिविर से जुडते भी हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को गंभीरता से लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी डॉ कुलदीप सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, तहसीलदार सुरेश कुमार, जिला वन अधिकारी, जिला बागवानी अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सिंचाई, नगर निगम, नगर परिषद, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज का एक्शन : विवाहिता को धमकाने पर अंबाला कैंट के महेशनगर थाना स्टाफ को लगाई कड़ी फटकार

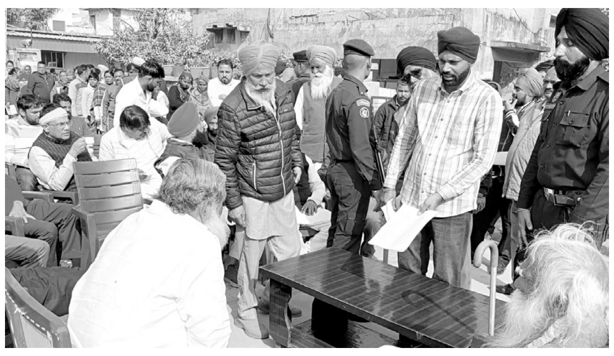

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने विवाहिता की शिकायत पर पुलिस को आज कड़ी फटकार लगाई। महिला का आरोप था कि उसके पति के उसे छोड़कर जाने की शिकायत लेकर वह महेशनगर थाने गई, मगर वहां पर उलटा एक पुलिस कर्मी ने उसे धमकाते हुए अंदर बंद करने की बात कही। महिला की फरियाद पर गुस्साए मंत्री अनिल विज ने महेशनगर थाने एसएचओ को फोन कर उक्त पुलिस कर्मी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए तथा महिला की शिकायत पर शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए।

श्री विज आज अंबाला कैंट में अपने आवास पर अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष स्वास्थ्य विभाग में एचकेआरएन के तहत कर्मचारियों ने दो माह से तनख्वाह नहीं मिलने व पोर्टल पर नाम नहीं आने की शिकायत दी जिस पर ऊर्जा मंत्री ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया। ब्राह्मण माजरा निवासी युवक ने आरोप लगाया कि उसे थाईलैंड टूर पैकेज देने के नाम पर ट्रैवल एजेंसी ने उससे 50 हजार रुपए की धोखाधड़ी की। उसने कहा कि ने उसे टूर पैकेज दिया गया और न ही उसकी राशि वापस की गई। मामले में मंत्री अनिल विज ने पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए। इधर, एयरफोर्स से रिटायर्ड कर्मी ने आरोप लगाया कि उसने डिफेंस कालोनी में मकान बनाने के लिए ठेकेदार को 50 लाख रुपए दिए थे, मगर ठेकेदार बीच में काम छोड़ भाग गया। न ही उसने उसे उसकी राशि वापस की और न ही काम पूरा किया। मंत्री अनिल विज ने पंजोखरा पुलिस को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के समक्ष अम्बाला छावनी से आए युवक ने शिकायत देते हुए बताया कि उसकी बहन की हिसार में शादी हुई थी, मगर शादी के बाद उसकी बहन को परेशान किया जाने लगा। इस मामले में मंत्री अनिल विज ने एसपी को मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए।

पंजाब लोक भवन ने उत्तराखंड, झारखंड, असम और नागालैंड का स्थापना दिवस मनाया

पंजाब के राज्यपाल ने स्थापना दिवस समारोह के दौरान "राज भवन" से "लोक भवन" में परिवर्तन को रेखांकित किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में आज शाम "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" पहल के तहत उत्तराखंड, झारखंड, असम और नागालैंड का स्थापना दिवस मनाया गया। अपने संबोधन में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने "राज भवन" से "लोक भवन" में देशभर में हो रहे परिवर्तन का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ऐसा नामकरण भारत की लोकतांत्रिक भावना और जनता की भागीदारी की आत्मा को दर्शाता है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की 562 रियासतों के एकीकरण और भारत को विभाजित करने की औपनिवेशिक साजिशों को विफल करने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका को याद किया। राज्यपाल ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर 2015 को "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की शुरुआत कर पटेल के विज़न को और सुदृढ़ किया। उन्होंने रेखांकित किया कि उत्तराखंड, झारखंड, असम—विशेषकर पावन कामाख्या मंदिर—और नागालैंड की सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक विशेषताएँ भारत की पहचान और विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

हम पूरे राष्ट्र को प्रेरित करना चाहते हैं कि वे श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों के सर्वोच्च बलिदान को याद रखें, जिनका साहस और समर्पण इतिहास में अनूठा है। उनकी शहादत विश्वास, दृढ़ता और धर्म के प्रति अटूट निष्ठा का शाश्वत प्रतीक है, जो मानवता को नैतिक शक्ति की ओर मार्गदर्शन करता है। उनके शौर्य को व्यापक रूप से साझा करने से हम उनके बलिदान के प्रति सम्मान को गहरा करते हैं और न्याय, स्वतंत्रता तथा अटूट साहस के मूल्यों को सुदृढ़ बनाते हैं।

चारों राज्यों—उत्तराखंड, झारखंड, असम और नागालैंड—के राज्यपालों के वीडियो संदेश भी कार्यक्रम के दौरान साझा किए गए। संबंधित राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों के सामाजिक विकास, आर्थिक प्रगति, भौगोलिक विशिष्टता, सांस्कृतिक समृद्धि, विरासत विविधता और कृषि क्षमता के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी, जिससे भारत की विशाल क्षेत्रीय विविधता की गहरी समझ प्राप्त हुई।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में मनाए जाते "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" समारोह के अंतर्गत कार्यक्रम में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। उत्तराखंड ने प्रसिद्ध नंदा देवी पालकी नृत्य और लोकगीत "बेड़ू पाको बारामासा" प्रस्तुत किए, जो पर्वतीय जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य को दर्शाते हैं। झारखंड ने जनजातीय और कृषक परंपराओं पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किए। असम की ओर से जीवंत बिहू और पारंपरिक बंगुरुंबा नृत्य की प्रस्तुति हुई। नागालैंड की ओर से बाँस नृत्य, रंग-बिरंगी जनजातीय प्रस्तुतियाँ और विभिन्न नागा जनजातियों की वीरता दर्शाने वाले वारियर डांस प्रस्तुत किए गए।

'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन': तीन दिनों में 1500 से अधिक ठिकानों पर रेड, 330 गिरफ्तार; तीसरे दिन पुलिस का सबसे बड़ा एक्शन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा पुलिस के 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' के तीसरे दिन, 3 दिसंबर 2025 को राज्य भर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की आक्रमक कार्रवाई चरम पर रही। इस 72 घंटे के सघन अभियान में पुलिस ने अब तक कुल 1512 संवेदनशील स्थानों (हॉटस्पॉट्स) पर कॉम्बिंग की है। अकेले तीसरे दिन 647 स्थानों पर दबिश दी गई। पिछले तीन दिनों की समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप प्रदेश भर में कुल 188 नए आपराधिक मामले दर्ज किए गए और 330 अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इस दौरान पुलिस ने अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ते हुए अब तक कुल 4.5 लाख रुपये (4,50,539 रुपये) से अधिक की नकदी जब्त की है। तीसरे दिन की कार्रवाई में 3 देसी कट्टे और 1 पिस्टल की बरामदगी के साथ ही, पूरे अभियान के दौरान अब तक कुल 4 पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए जा चुके हैं, जिससे कई संभावित वारदातों को टालने में सफलता मिली है।

500 ग्राम हेरोइन, 2.7 किलो अफीम और भारी मात्रा में नशा जब्त, नेटवर्क ध्वस्त

पिछले तीन दिनों से जारी इस विशेष अभियान के समेकित आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि पुलिस का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अगर 1 से 3 दिसंबर तक की कुल बरामदगी की बात करें तो पुलिस ने नशा तस्करों पर 'वज्रपात' करते हुए 505.4 ग्राम हेरोइन, 2.7 किलोग्राम अफीम, 15.5 किलोग्राम चूरा पोस्त और 774 ग्राम चरस बरामद की है। इसके अलावा शराब तस्करों पर नकेल कसते हुए 2400 से अधिक बोतलें (देसी और अंग्रेजी) और 1240 लीटर लाहन जब्त किया गया है। यह साबित करता है कि 'ऑपरेशन हॉटस्पॉट' का प्रभाव अब धरातल पर दिखाई देने लगा है और नशा नेटवर्क को जड़ से उखाड़ने के लिए जीआरपी और जिला पुलिस ने पूरी ताकत झोंक दी है।

कॉम्बिग में GRP सबसे आगे, भिवानी और सिरसा में ताबड़तोड़ कार्रवाई

जिलावार विश्लेषण करें तो पूरे अभियान के दौरान रेलवे पुलिस (GRP) ने सर्वाधिक 111 स्थानों पर कॉम्बिंग कर रिकॉर्ड बनाया है, जबकि सिरसा में 108 और जींद में 105 हॉटस्पॉट्स को खंगाला गया। गिरफ्तारियों के मामले में भिवानी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुल 60 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जो किसी भी जिले में सर्वाधिक है। वहीं नूंह पुलिस ने गौ-तस्करी और साइबर अपराध पर चोट करते हुए अभियान के दौरान 7 सिम कार्ड, 9 मोबाइल फोन और 70 किलो बीफ बरामद किया है। इस अभियान का उद्देश्य '360 डिग्री' दृष्टिकोण अपनाते हुए हिंसक अपराधियों के इकोसिस्टम को पंगु बनाना है।

अवैध सम्पति और अतिक्रमण पर 'कानूनी कार्रवाई

पुलिस ने अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्ति पर प्रहार करते हुए पिछले तीन दिनों में कुल 6 संपत्तियों को अटैच (कुर्क) किया है और 4 अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त कर दिया है। यह कड़ा संदेश देता है कि अपराध से कमाई गई दौलत अब सुरक्षित नहीं है। इसके अतिरिक्त, अपराधी कानून की गिरफ्त से भाग न सकें, इसके लिए कुल 6 लुक-आउट सर्कुलर जारी किए गए और 11 हिंसक अपराधियों के पासपोर्ट रद्द करने के प्रस्ताव भेजे गए हैं। अन्तर्राज्यीय अपराधियों पर नकेल कसने के लिए अन्य राज्यों के साथ 98 इंटेलीजेंस रिपोर्ट साझा की गई हैं।

तीन दिन में 68 फरार अपराधी गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट के 21 मामले दर्ज

'ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन' के तहत पुलिस ने खुफिया इनपुट के आधार पर दबिश देते हुए 72 घंटों में कुल 68 फरार हिंसक अपराधियों (Fugitives) को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। तीसरे दिन की 27 गिरफ्तारियों ने इस आंकड़े को और मजबूत किया है। इसके साथ ही, अवैध हथियारों के नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कुल 21 मामले दर्ज किए और इन मामलों में संलिप्त 28 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मानवीय चेहरा: 566 जरूरतमंदों का सहारा बनी खाकी

जहां एक ओर पुलिस अपराधियों के लिए काल बनी, वहीं दूसरी ओर अपने मानवीय दायित्वों को निभाते हुए पुलिस कर्मियों ने पिछले तीन दिनों में 566 जरूरतमंद और विपत्तिग्रस्त नागरिकों को सहायता भी प्रदान की। नशा तस्करों के खिलाफ की गई कार्रवाई और सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों की धरपकड़ से महिलाओं और बच्चों के लिए वातावरण सुरक्षित हुआ है।

विधायक रंधावा ने डेराबस्सी में 92 योग्य परिवारों को मकान निर्माण हेतु 2.30 करोड़ रुपये के स्वीकृति पत्र वितरित किए

मकान मरम्मत और नए निर्माण के लिए सरकार का बड़ा प्रयास – कुलजीत सिंह

हिन्द जनपथ
डेराबस्सी (एस.ए.एस. नगर)(ब्यूरो)। विधायक श्री कुलजीत सिंह रंधावा ने आज डेराबस्सी नगर परिषद के माध्यम से प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत स्वीकृत 92 और योग्य लाभार्थी परिवारों को मकान निर्माण के लिए 2.30 करोड़ रुपये के स्वीकृति पत्र वितरित किए। यह सहायता राशि लाभार्थियों के पक्के मकानों की मरम्मत, मजबूती और नए निर्माण के लिए प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर समिति प्रधान, ब्लॉक प्रधान, नगरपालिका पार्षद, वार्ड इंचार्ज तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री रंधावा ने कहा कि पंजाब सरकार का स्पष्ट सिद्धांत है कि किसी भी मुश्किल समय में किसी भी व्यक्ति को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि आज जिन परिवारों को स्वीकृति पत्र दिए गए हैं, वे केवल एक कागज़ नहीं, बल्कि उनके जीवन में नई शुरुआत की उम्मीद और घर की छत का भरोसा हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहरी क्षेत्रों के गरीब और पिछड़े परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध करवाने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। इस योजना के अंतर्गत पहले से चल रहे कार्यों को और तेज़ी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

श्री रंधावा ने कहा, "हमारा उद्देश्य लोगों के चेहरों पर फिर से मुस्कान लाना है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर योग्य परिवार तक लाभ पहुंचे और उनका जीवन बेहतर हो।"

इस दौरान लाभार्थी परिवारों ने राज्य सरकार और विधायक का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सहायता उनके लिए आर्थिक रूप से बड़ा सहारा है और वे लंबे समय से अपने घर की मरम्मत/निर्माण की प्रतीक्षा कर रहे थे।

पंजाब पुलिस द्वारा महिला पुलिस को मुख्यधारा में लाने के लिए राज्य-व्यापी प्रशिक्षण प्रोजेक्ट शुरू

पीपीए फिल्लौर में ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स प्रोग्राम के तहत पहले चरण का प्रशिक्षण पूरा, कुल 384 पुलिस स्टेशनों को किया जाएगा कवर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब पुलिस द्वारा एक ऐतिहासिक पहल में "मेनस्ट्रीमिंग ऑफ वूमन पुलिस" प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य पूरे राज्य में महिला पुलिस अधिकारियों की भूमिका और एकीकरण का व्यापक मूल्यांकन करना और इसे और बेहतर बनाना है। यह प्रोजेक्ट 2 से 4 दिसंबर 2025 तक पंजाब पुलिस अकादमी (पीपीए), फिल्लौर में आयोजित तीन दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) कार्यक्रम के साथ शुरू किया गया।

टीओटी प्रोग्राम पंजाब पुलिस के कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन (सीएडी) विंग द्वारा हर्टेक फाउंडेशन की साझेदारी में आयोजित किया गया था। इस दौरान लगभग 60 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें पंजाब के 13 जिलों से आए चार वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। अब ये अधिकारी अपने-अपने जिलों में प्रशिक्षण देने के लिए जिम्मेदार होंगे।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में पुलिस की व्यक्तित्व निर्माण, लैंगिक संवेदनशीलता, वंचित वर्गों को न्याय दिलाने में पुलिस की भूमिका और पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान पुलिस बल में महिला अधिकारियों को मुख्यधारा में लाने संबंधी रणनीतियाँ शामिल थीं।

साथ ही पुलिस में पेशेवर रूप से महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारियों पर विशेष जोर दिया गया।

इस पहल के महत्व के बारे में बोलते हुए विशेष डीजीपी, कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन (सीएडी) गुरप्रीत कौर दियो ने कहा कि यह अहम प्रोजेक्ट "मेनस्ट्रीमिंग ऑफ वूमन पुलिस" पहल का हिस्सा है, जिसके तहत भारत सरकार की महिला हेल्पडेस्क प्रोजेक्ट की देशव्यापी सफलता के आधार पर पंजाब के सभी 384 पुलिस स्टेशनों में दो-दो महिला अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

प्रशिक्षण के प्रभाव के वैज्ञानिक मूल्यांकन को सुनिश्चित करने के लिए पंजाब पुलिस ने गैर-सरकारी संगठन जे-पाल (अब्दुल लतीफ जमील पॉवरटी एक्शन लैब) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कि रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड ट्रायल (आरसीटी) के माध्यम से नीति विश्लेषण में माहिर है।

इस प्रोजेक्ट के तहत राज्य के 288 पुलिस स्टेशन एक राज्य-स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिसमें सीएडी विंग द्वारा प्रशिक्षित और हर्टेक फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किए गए लगभग 100–120 मास्टर ट्रेनर्स पूरे प्रदेश के 288 पुलिस स्टेशनों में प्रशिक्षण देंगे।

इसमें समाज में महिलाओं की भूमिका, पुलिस बल में महिलाओं की कम संख्या, लैंगिक रूढ़िवादिता और पुलिसिंग सब-कल्चर से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

संपादकीय

कई प्रजातियों का विलुप्त होना पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश का सूचक

भारत में कई जीव-जंतुओं की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं। इस बीच पूर्वोत्तर में हाल ही में उभयचर जीवों की तेरह नई प्रजातियों के अस्तित्व की खोज वास्तव में राहत भरी है। मानव समाज विविध एवं गहन पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर है और जब जीवों की प्रजातियां कम या खत्म होने लगती हैं, तो इस तंत्र की कड़ियां भी टूटने लगती हैं।वर्तमान में भले ही इसका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से नजर न आए, लेकिन भविष्य में इसका नतीजा निश्चित रूप से भयावह रूप में सामने आएगा। जिन उभयचरों की नई प्रजातियां मिली हैं, उनमें से छह अरुणाचल प्रदेश, तीन मेघालय और एक-एक असम, मिजोरम, नगालैंड तथा मणिपुर में पाई गई हैं।जाहिर है कि ये प्रजातियां कभी अच्छी-खासी तादाद में रही होंगी, लेकिन पर्यावरण में बदलाव, जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों से उपजी स्थितियों के कारण इनकी संख्या इतनी कम हो गई कि ये वर्षों तक इंसानी नजर से भी ओझल रहीं।दरअसल, पशु-पक्षियों और अन्य जीवों की कई प्रजातियों का विलुप्त होना पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश का सूचक है और इस मसले को हर स्तर पर गंभीरता से लेने की जरूरत है। देश की जैव विविधता का नियमित तौर पर दस्तावेजीकरण होना चाहिए, ताकि विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों को पहचान कर उनके संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा सकें।इस संकट की गहराई का आकलन संयुक्त राष्ट्र के अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति मंच की एक रपट से किया जा सकता है, जिसमें कहा गया है कि दुनिया भर में कशेरुकी यानी रीढ़ वाले जीवों की 680 प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और करीब दस लाख प्रजातियों पर इसी तरह का खतरा मंडरा रहा है।अलग-अलग रपटों के मुताबिक, चालीस वर्षों में देश में गौरैया की तादाद साठ-पैंसठ फीसद तक कम हो गई है।

मेजर पॉवर बड़ी उपलब्धि तो सुपर पॉवर बनना बड़ी चुनौती

ऑपरेशन सिन्दूर, आर्थिक क्षेत्र में बढ़ती साख, सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी भारत की ताकत बन गई है। भारत के साथ सबसे बड़ी ताकत स्थिर और कड़े निर्णय लेने में भी सक्षम सरकार होना एक सकारात्मक पक्ष है तो दूसरी और जेन जेड और उसके बाद की जैनरेशन की बड़ी भूमिका हो गई है। आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी संस्था द्वारा जारी एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करना इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि भारत शक्तिशाली देशों की कतार में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। लोवी द्वारा जारी इंडेक्स में मेजर पॉवर का दर्जा हासिल करने वाला भारत एक मात्र देश है जबकि सुपर पॉवर के रुप में अमेरिका और चीन अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहे हैं।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

हांलाकि भारत ने मेजर पॉवर का दर्जा हासिल कर लिया है पर सुपर पॉवर का दर्जा हासिल करने में अभी भारत को लंबा समय और कड़ी मेहनत व प्रयास करने होंगे। दरअसल 8 पेरामीटर्स में 100 में से 70 से अधिक अंक अर्जित करने वाले देश ही सुपर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और अमेरिका इसमें 80.5 अंक प्राप्त कर सुपर पॉवर बना हुआ है वहीं चीन भी अमेरिका के पीछे पीछे 73.7 अंकों के साथ दूसरा सुपर पॉवर बना हुआ है। हांलाकि डोनाल्ड ट्रम्प के आने के बाद अमेरिका ने बहुत कुछ खोया है पर फिर भी पहला स्थान का ताज आने वाले सालों में भी छिनता हुआ नहीं लगता है। भारत ने अवश्य जापान को पछाड़ कर तीसरा स्थान बनाया है और 40 अंक प्राप्त कर मेजर पॉवर तो बन ही गया है। 40 या 40 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले देश मेजर पॉवर की श्रेणी में आते हैं और यह दर्जा प्राप्त करने वाला भारत अकेला देश बन गया है। एशिया प्रशांत के 27 देशों से शेष 23 देश मिडिल पॉवर व उससे नीचे की श्रेणी में हैं। हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान इस इंडेक्स में पहले दस में भी स्थान नहीं बना पाया है। पाकिस्तान सूची में 16 वें स्थान पर रहा है। निश्चित रुप से यह भारत के लिए बड़ी उपलब्धी और इंटरनेशनल जगत में भारत के बढ़ते दबदबे का स्पष्ट संकेत है। ऑपरेशन सिन्दुर और इससे पहले भी जिस तरह से भारत ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया है और इंटरनेशनल डिप्लोमेसी में भारत की अग्रगामी भूमिका तय की गई है उसका बड़ा प्रभाव पड़ा है। आर्थिक क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने इसे तीसरे पायदान पर लाने में खासी भूमिका तय की है। भारत आज दुनिया के देशों में बड़ी आर्थिक शक्ति के रुप में उभरा है और दुनिया के देशों में सबसे अधिक यानी कि विदेशी निवेश में भारत ने चीन को भी पीछे छोड़ दिया है।

आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी द्वारा 2018 से एशिया पॉवर इंडेक्स जारी करना आरंभ किया है। 2025 में एशिया पॉवर इंडेक्स का सातवां संस्करण जारी किया है। लोवी द्वारा 8 पेरामीटर्स के आधार पर अंक जारी किये जाते हैं। इसमें सैन्य क्षमता, रक्षा नेटवर्क, आर्थिक शक्ति, अन्य देशों के साथ आर्थिक संबंध, कूटनीतिक व सांस्कृतिक संबंध, लचीलापन, भविष्य के संसाधन आदि पेरामीटर्स के

आधार पर 27 देशों का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि ऑपरेशन सिन्दुर ने भारत की सैन्य शक्ति और ताकत से दुनिया के देशों को झकझोर कर रख दिया है। सैन्य संसाधनों में आज भारत आत्मनिर्भर होता जा रहा है। इसके साथ ही जिस तरह से भारत की इकोनोमी तेजी से आगे बढ़ती जा रही है उससे दुनिया के देशों में भारत ने अलग ही स्थान अर्जित कर लिया है। भारत में देसी-विदेशी विदेशी निवेश का जिस तरह का माहौल बना है और जिस तेजी से विपरीत वैश्विक हालातों के बावजूद और यहां तक कि ट्रंप की टैरिफ नीति के बावजूद भारत की अर्थ व्वस्था व विकास का स्तर लगातार बने रहना बड़ी उपलब्धि है। ऑपरेशन सिन्दूर, आर्थिक क्षेत्र में बढ़ती साख, सैन्य क्षमता में बढ़ोतरी भारत की ताकत बन गई है। भारत के साथ सबसे बड़ी ताकत स्थिर और कड़े निर्णय लेने में भी सक्षम सरकार होना एक सकारात्मक पक्ष है तो दूसरी और जेन जेड और उसके बाद की जैनरेशन की बड़ी भूमिका हो गई है। आज तकनीकी रुप से भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत युवाओं का देश हो गया है। सैन्य क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, इकोनोमिक क्षमता और प्रौद्योगिकी, डिजिटलाइजेशन, कूटनीतिक और सांस्कृतिक रिलेशन आदि क्षेत्र में भारत ने पिछले साल की तुलना में अधिक अंक अर्जित किये हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत का वैश्विक स्तर पर आत्मविश्वास बढ़ा है और इसी का परिणाम है कि भारत आज आंख से आंख मिलाकर बात करने और आंतरिक व बाहरी निर्णय लेने में सक्षम और स्वतंत्र देश के रुप में उभरा है। हालांकि भारत के सामने अभी चुनौतियां भी बहुत है। सबसे बड़ी चुनौती जो विषय से अलग हटकर है वह है हमारे ही लोगों द्वारा विदेशी मीडिया व विदेशी धरती पर देश की छवि खराब करना है। होना यह चाहिए कि लाख राजनीतिक मतभेदों के बावजूद विदेश की धरती पर एक रहना और एक रहने का संदेश देना जरुरी हो जाता है। रक्षा नेटवर्क को और अधिक विस्तारित करने की चुनौती के साथ ही कूटनीतिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। अमेरिका की ट्रंप की देशी विदेशी नीति के कारण अमेरिका के अंकों में गिरावट दर्ज की गई है। देखा जाए तो भारत की सैन्य क्षमता के साथ साथ इकोनोमी के क्षेत्र में क्षमता का तेजी से विकास हुआ है। हांलाकि रक्षा नेटवर्क के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना है। एशिया पॉवर इंडेक्स 2025 में भारत का मेजर पॉवर बनना और तीसरा स्थान बनाना भारत की दुनिया के देषों में बढ़ती साख का परिचायक है। निश्चित रुप से यह बड़ी उपलब्धि है पर अब भारत को इसे बनाये रखने और अन्य पेरामीटर्स के क्षेत्र में भी योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना है। चुनौतियां बहुत है पर चुनौतियों से पार पाते हुए ही कुछ अधिक अर्जित करना बड़ी बात हो जाती है। सकारात्मक प्रयासों से सुपर पॉवर बनने के लक्ष्य के साथ ही भारत को आगे बढ़ना होगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कभी लेट तो कभी कैंसिल... यह किस संकट से गुजर रही इंडिगो?

(राजेश भारती)

इंडिगो एयरलाइन इस समय एक अजीब समस्या से जूझ रही है। इस कारण एयरलाइन की फ्लाइट समय पर उड़ान नहीं भर पा रही हैं। वहीं कई फ्लाइट को कैंसिल भी किया जा रहा है।

भारत में लगभग दो-तिहाई घरेलू यात्रियों को सफर कराने वाली इंडिगो एयरलाइन इस समय भारी परेशानी से गुजर रही है। एयरलाइन के बहुत सारे विमान लेट हो रहे हैं और कुछ तो रद्द भी हो रहे हैं। इसकी मुख्य वजह है क्रू की भारी कमी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार (2 दिसंबर) को इंडिगो की सिर्फ 35 प्रतिशत उड़ानें ही समय पर उड़ पाईं। यह एयरलाइन रोजाना 2200 से ज्यादा उड़ानें संचालित करती है। बुधवार को तो दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे कई बड़े एयरपोर्ट पर दोपहर तक ही लगभग 200 उड़ानें रद्द कर दी गई थीं।

यह क्रू की कमी तब से शुरू हुई है जब से पिछले महीने नए 'फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन' नियम लागू हुए हैं। इन नियमों के तहत क्रू के काम के घंटों को ज्यादा मानवीय बनाया गया है, यानी उन्हें आराम ज्यादा मिलेगा। लेकिन इसी वजह से अब पायलटों की कमी हो गई है।

एयरपोर्ट पर मौजूद परेशान अधिकारी बता रहे हैं कि इंडिगो की देरी और रद्द उड़ानों से यात्रियों को बहुत दिक्कत हो रही है।

हालात हुए बेकाबूत्न अधिकारियों ने बताया कि कुछ उड़ानों के लिए तो केबिन क्रू ही नहीं मिल पा रहे थे, इसलिए उन्हें रद्द करना पड़ा। एयरलाइन क्रू को अलग-अलग जगहों पर भेज रही है ताकि उड़ानें चल सकें, लेकिन कमी इतनी ज्यादा है कि हालात बेकाबू हो गए हैं। किसी ने सोचा भी नहीं था कि इंडिगो, जिसकी पहचान समय पर उड़ने वाली (ओटीपी) है, उसकी स्थिति इतनी खराब हो जाएगी कि वह अलायंस एयर और स्पाइसजेट से भी पीछे रह जाएगी। उड़ानें 7-8 घंटे तक लेट हो रही हैं। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने इस बारे में कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमारी कई उड़ानें कुछ जरूरी कारणों से लेट हुई हैं और कुछ रद्द भी हुई हैं। इन कारणों में टेक्नोलॉजी की दिक्कतें, एयरपोर्ट पर भीड़ और ऑपरेशन से जुड़ी जरूरतें शामिल हैं। हमारी टीमें पूरी कोशिश कर रही हैं कि जल्द से जल्द सब कुछ सामान्य हो जाए। हम प्रभावित यात्रियों को दूसरी उड़ान का विकल्प या रिफंड भी दे रहे हैं। प्रवक्ता ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया। एयरलाइन ने यात्रियों से यह भी कहा है कि एयरपोर्ट आने से पहले वे अपनी उड़ान की ताजा स्थिति जरूर चेक कर लें, ताकि असुविधा कम हो।

एयरपोर्ट ने भी बढ़ाई समस्या

एयरपोर्ट पर कुछ खास दिक्कतें इस समस्या को और बढ़ा रही हैं। उदाहरण के लिए, दिल्ली एयरपोर्ट पर बुधवार को एयरलाइन का बैगेज मैसेजिंग सिस्टम काम नहीं कर रहा था। सूत्रों ने बताया कि टर्मिनल 1 पर सामान लेने की जगह पर अफरा-तफरी मची हुई थी और टर्मिनल 3 पर भी कुछ हद तक यही हाल था।

वर्ग पहेली 5933

1	2	3		4	■	5	6
7			■		■	8	
	■	9	10		■		■
11	12	■		■	13		14
15		16		■		■	
	■	17		18	■	19	
■	20		■	21		■	
22		■	23		■	24	

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारतीय स्वतंत्रतास संग्राम के अग्रदूत जिन्हें 8 अप्रैल 1857 को फांसी दे दी गई (5)
5. आवरण, भंडार, खजाना (2)
7. खुशबू, सुगंध, महक (3)
8. भाग्य को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
9. कोई वाद्य बजाने वाला, साजिंदा (3)
11. चैत्र की फसल का प्रसिद्ध अन्न (2)
13. कारपेंटर, बढ़ाई, शिल्पी (3)
15. ओंष्ठ, ओंठ, अधर (4)
17. सनिश्चय नहीं (3)
19. बायां, चंद्रमा के रथ के घोड़े का एक नाम (2)
20. छोटा बोरा, कट्टा, छोटा थैला (2)
21. श्रीगणेश की दो पत्नियों में एक का नाम जो क्षेम की माता थीं (2)
22. शारीरिक पीड़ा, एक बड़ा कांटा, मनोज वाजपेयी और रवीना टंडन आदि अभिनीत एक फिल्म (2)
23. अवाक, जो बोलता न हो, गूंगा (2)
24. वर्तुलाकार, वृत्त, फुटबॉल खेल से संबंधित एक शब्द (2)

ऊपर से नीचे

1. कार्यारंभ के पूर्व की जाने वाली मंगल स्तुति, मांगलिक मंत्र (6)
2. गहरा दुख, शोक (2)
3. पक्षाघात, एक रोग जिसमें शरीर का कोई अंग सुन्न या बेकार हो जाता है (3)
4. रोजनामचा को अंग्रेजी में यह कहते है (3)
5. वंदे मातरम गीत के रचनाकार बंकिमचंद चटर्जी का 8 अप्रैल 1894 को यहां निधन हो गया (4)
6. भ्रम, संदेह (2)
10. डांटना, घुडकना, उपटना का अपभ्रंश (4)
12. आवाज, शब्द (2)
13. आलसी, मंद गति से कार्य करने वाला (2)
14. जिसके मन में करूणा का भाव हो, दयालु, कृपालु (5)
16. जलधारा, अनुपात, सारिणी, सरिता (3)
18. यह शहर गोदावरी नदी के समीप स्थित है (3)
20. बात, वचन, शब्द, वाद्यों का ध्वनि, बोली (2)

वर्ग पहेली 5932 का हल

सो	म	ना	थ	श	र्मा	■	जू
म	ह	ल	■	ह	■	डा	ल
ना	क	■	अ	ना	मि	का	■
थ	■	क	मा	ई	■	■	अ
■	मा	न	व	■	आ	ला	प
र	न	■	स्या	म	■	■	य
वि	हा	र	■	नु	मा	इ	श
श	नि	■	मैं	■	ल	■	■

क्या है भारत-रूस का रेलोस समझौता, जिससे शुरू होगा दोस्ती का नया दौर

(अभिनय आकाश)

सुखोई मिग जैसे फाइटर जेट्स रूस ने ही हमें दिए हैं। तो वहीं दुनिया का सबसे मजबूत सुरक्षा चक्र एस400 डिफेंस सिस्टम भी रूस ने ही भारत को दिया है। दुनिया इस डिफेंस सिस्टम के दमदार परफॉर्मेंस को ऑपरेशन सिंदूर के दौर में परख चुकी है। यह वही डिफेंस सिस्टम है जिसने पाकिस्तान के सारे हथियारों को कबाड़ बनाके रख दिया था। बहरहाल पुतिन के भारत दौरे से बड़ी उम्मीदें हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन 4 दिसंबर को भारत आ रहे हैं। माना जा रहा है कि वो जंगी हथियारों का सौदा तोहफे में ला रहे हैं। पूरी दुनिया को पता है कि रूस भारत का सबसे मजबूत सैन्य साझेदार है। आज भी रूस के कई जंगबाज भारत की सुरक्षा में मुस्तैद है। सुखोई मिग जैसे फाइटर जेट्स रूस ने ही हमें दिए हैं। तो वहीं दुनिया का सबसे मजबूत सुरक्षा चक्र एस400 डिफेंस सिस्टम भी रूस ने ही भारत को दिया है। दुनिया इस डिफेंस सिस्टम के दमदार परफॉर्मेंस को ऑपरेशन सिंदूर के दौर में परख चुकी है। यह वही डिफेंस सिस्टम है जिसने पाकिस्तान के सारे हथियारों को कबाड़ बनाके रख दिया था। बहरहाल पुतिन के भारत दौरे से बड़ी उम्मीदें हैं।

हिंदुस्तान की बढ़ती ताकत से चीन और पाकिस्तान घबराए हुए हैं। भारत के जंगी दमखम से दुश्मनों के चेहरे पर शिकन दिख रहा है। इसकी वजह है वो हथियार जिनकी ताकत ने पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने लगाई। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के जिन वेपन्स का बाहुबल दुनिया ने देखा। लेकिन अब भारत की जंगी ताकत कई गुना बढ़ने वाली है। अब हिंदुस्तान के तरकश में ऐसे ऐसे वेपन आने वाले हैं जो पलक झपकते ही पाकिस्तान का काम तमाम कर सकते हैं। तो बीजिंग में बर्बादी का बवंडर ला सकते हैं। भारत के सबसे भरोसेमंद दोस्त रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन भारत आ रहे हैं। उससे पहले दोनों देशों के बीच सैन्य दोस्ती और मजबूत करने वाले कदम उठाए जा रहे हैं। जिसका ट्रेलर है रेलोस समझौता। भारत और रूस के बीच इस अहम समझौते का नाम रे लॉस यानी रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक्स एग्रीमेंट है। इस समझौते से पहले रूस की संसद ने इसे मंजूरी दी है और इस समझौते के मुताबिक भारत और रूस एक दूसरे के मिलिट्री अड्डों का इस्तेमाल कर पाएंगे। वहां युद्धाभ्यास से लेकर के लॉजिस्टिकल सपोर्ट जैसे कि ईंधन भरने और आपदा प्रबंधन के लिए उन अड्डों का इस्तेमाल करना शामिल है। बड़ी मीटिंग के साथ ही कई हस्ताक्षर हो सकते हैं। कई समझौतों पर। उसके अलावा और जो उनका रूट है वो पूरा रूट इस वक्त गुप्त रखा गया है।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन महत्वाकांक्षी प्रकृति वालों के लिए शुभ फलदायक रहेगा। यात्रा सामान्य लाभप्रद रहेगी। दोपहर बाद उच्च अधिकारी से वाद विवाद होने की संभावना नजर आ रही है। इससे कानूनी पक्ष नया मोड़ ले सकता है। सायंकाल के समय योजना पूर्ति से लाभ होगा। अतिथि आगमन से खर्च बढ़ना संभव है।

वृष
आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी से या व्यवसाय क्षेत्र में व्यापारी से अनबन हो सकती है। अपने कार्य कौशल से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। घर गृहस्थी के उपयोग की कोई प्रिय वस्तु खरीदी जाएगी। शुभ व्यय होगा। दांपत्य जीवन में सरसता बनाए रखें, समाज में सम्मान बढ़ेगा।

तुला
आज का दिन सांसारिक सुख भोगों की वृद्धि कर रहा है। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। सतर्क रहें।

वृश्चिक
आज आपका आधा दिन परोपकार करने में बीतेगा। दूसरों की सहायता करने से जो आत्म संतुष्टि आपको प्राप्त होती है, उसकी तुलना अन्य किसी सांसारिक सुख से नहीं हो सकती। ऑफिस में आपके अधिकारों में वृद्धि होने के कारण साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है।

मिथुन
आज परिजन से से मन को दुखित करेगा। राजनीतिक गतिविधियों में भी रुकावट रहेगी। अपराह्न के बाद नवनिर्माण की रूपरेखा बनेगी। अच्छे कर्म और पुण्य से आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। रात्रि के समय किसी मंगलमय समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं।

कर्क
आज एकादश आय केन्द्र भाव में भाग्योदय कारक है। इससे जीवन साथी एवं व्यापार में साझेदारों का सहयोग मिलेगा। दूसरों की भलाई में रुचि बनी रहेगी। नौकरीपेशा वर्ग को उन्नति मिल सकती है। मन को शांति मिलेगी। अत्यधिक श्रम से थकान हो सकती है, सावधान रहें।

धनु
आज का दिन पारिवारिक अशांति तथा आस-पास के वातावरण को विपरीत बना सकता है। किन्तु आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से वातावरण को हल्का करने में कामयाब होंगे। अपने प्रिय व्यक्ति की मदद करने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रात्रि का समय मनोविनोद में बीतेगा।

मकर
आज किसी नई डील से अचानक धन का लाभ होगा। घर में पत्नी या किसी संतान की अचानक तबीयत खराब होने से टेंशन हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करते समय या गाड़ी चलाते समय चिंता को हावी न होने दें। दोस्ती में किसी स्पेशल स्कीम का हिस्सा न बनें, जोखिम के कामों से दूर रहें।

सिंह
आज का दिन मिश्रित फल कारक है, समाज में स्वच्छ छवि का निर्माण होगा। एक साथ कई कार्यों को करते हुए सजगता बरतें। आज के दिन पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। द्वादश घर में कर्क राशि का बृहस्पति उच्च फलकारक है, अवरोध-विरोध के चलते भी संकल्पित कार्य सिद्ध होंगे।

कन्या
आज का दिन उत्तम संपत्ति के देने वाले हैं। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ने से कुछ असहज स्थिति उत्पन्न हो सकती है, घबराये नहीं। सायंकाल से लेकर रात्रि तक पुराने मित्रों के मिलन से मन प्रसन्न रहेगा, मंगलमय समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ
आज कोई सफलता का हर्ष होगा। बड़ी मात्रा में रुपया हाथ में आने से संतोष होगा। दिन के उत्तरार्ध में पिछले दिनों से चला आ रहा मनमुटाव भी समाप्त हो जाएगा। कहासुनी को बातचीत से सुलझा लें। रात्रि का समय सैर सपाटे में व्यतीत करें।

मीन
आज का दिन संतान पक्ष से संतुष्टि व हर्ष दायक है। दिन अच्छा है, जिन युवाओं ने अभी अपने करियर की शुरूआत की है, उन्हें आज अपने ऑफिस में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। सायंकाल से रात्रि का समय भी मेल-मिलाप में बीतेगा।

एआई क्षमता बढ़ाने पर जोर

विदेशी निर्भरता कम होगी; भारतीय डाटा की सुरक्षा भी मजबूत होगी

मुंबई , एजेंसी। भारत को तत्काल अपनी सॉवरेन एआई क्षमताएं विकसित करनी होंगी। नहीं तो देश को विदेशी कंपनियों पर निर्भर होना पड़ेगा। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा, यह विदेशी कंपनियां अपने एआई मॉडल को मजबूत करने के लिए भारतीय डाटा का इस्तेमाल कर रही हैं। मुंबई में एक कार्यक्रम में कांत ने कहा, देश की तकनीकी प्रगति इस बात से परिभाषित होगी कि वह इस समय कितनी तेजी से घरेलू कंप्यूटर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करता है। संवेदनशील डाटा की सुरक्षा करता है और साथ ही स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिस्टम बनाने वाले स्टार्टअप्स का समर्थन करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने बड़े पैमाने पर समावेशन को बढ़ावा दिया है, लेकिन देश की पिछड़ी कंप्यूटिंग क्षमता इसकी प्रगति को धीमा करने का खतरा पैदा कर रही है।

अमिताभ कांत ने ओपनएआई और एनवीडिया के बीच हाल ही में हुई साझेदारी का हवाला देते हुए कहा, इस प्रयास से 10 गीगावॉट की जीपीयू क्षमता तैयार होगी, जो लगभग 50 लाख हाई-परफॉरमिंग प्रोसेसर के बराबर है, जबकि भारत में लगभग 30,000 जीपीयू ही हैं। इस अंतर को पाटने के लिए निजी क्षेत्र के बड़े पैमाने पर निवेश और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की आवश्यकता है। भारत में ओपनएआई के चैटजीपीटी

के मासिक सक्रिय यूजर्स किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक हैं। यह संख्या अमेरिका से भी लगभग 33 प्रतिशत अधिक है।

कंप्यूटिंग के विशाल भंडार तक पहुंचने की जरूरत

कांत ने कहा, भारत के उभरते एआई स्टार्टअप, जिनमें सर्वम एआई, धनी एआई और गैंट एआई शामिल हैं। ये आधारभूत मॉडल बनाने की शुरुआत कर रहे हैं, लेकिन वैश्विक मानकों तक पहुंचने के लिए उन्हें उच्च-गुणवत्ता वाले डाटा और शक्तिशाली कंप्यूटिंग के विशाल भंडार तक पहुंच की जरूरत होगी।

बेफिक्र रिटायरमेंट लाइफ बिताने के लिए हर महीने कितनी रकम चाहिए?

दो करोड़ है तो भी ज्यादा खुश मत होइए

नई दिल्ली, एजेंसी।
बहुत से लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट के लिए बस थोड़े से पैसों की ज़रूरत होगी, लेकिन असलियत कुछ और ही है। महंगाई आपकी आरामदायक ज़िंदगी को अचानक बहुत महंगा बना सकती है। Zactor के फाउंडर, CA अभिषेक वालिया ने बताया कि कैसे एक आम मिडिल-क्लास लाइफस्टाइल भी समय के साथ बहुत खर्चीली हो सकती है। उनकी कैलकुलेशन ने हज़ारों लोगों को चौंका दिया है, खासकर उन्हें जो सोचते हैं कि एक तय रकम से उनका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। बताई बातों से पता चलता है कि जल्दी प्लानिंग करना कितना ज़रूरी है।

रिटायरमेंट लाइफ की अवधि: वालिया ने एक ऐसा सवाल उठाया जिसे ज़्यादातर लोग नज़रअंदाज़ कर देते हैं: आप कितने साल रिटायरमेंट में जीना चाहते हैं? आजकल लोग 60 साल यानी

रिटायरमेंट के बाद 25 से 30 साल तक जी रहे हैं। इसलिए रिटायरमेंट फंड को उम्मीद से कहीं ज़्यादा समय तक चलना होगा। 2 करोड़ रुपये का फंड आज भले ही बड़ा लगे, लेकिन बढ़ती महंगाई के साथ यह पहले दशक को भी आराम से निकालने के लिए काफी नहीं होगा।

अभी का 50 हजार 30 साल बाद 2.87 लाख का

उन्होंने बताया है कि अभी आप 50,000 रुपये में महीने भर का खर्च चला लेते हैं। लेकिन 30 साल बाद ऐसा नहीं कर पाएंगे। वह हिसाब बताते हैं कि हर साल 6 प्रतिशत की स्टैंडर्ड महंगाई दर के हिसाब से, 30 साल बाद वही 50,000 रुपये महीने का खर्चा बढ़कर 2,87,175 रुपये प्रति माह हो जाएगा। यानी, सिर्फ उसी लाइफस्टाइल को बनाए रखने के लिए साल भर में 34,46,095 रुपये लगेंगे। इसमें कोई फॉरेन हॉलिडे, कोई लग्जरी अपग्रेड या मेडिकल इमरजेंसी का खर्चा शामिल नहीं है।

दो करोड़ का फंड भी कम पड़ेगा: सीए अभिषेक वालिया ने अपने एक दोस्त को हकीकत बताई, जिसने बड़े आत्मविश्वास से कहा था कि 60 साल के बाद शांति से जीने के लिए 2 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड काफी होगा। दोस्त को सही तस्वीर दिखाने के लिए, वालिया ने उसकी मौजूदा 50,000 रुपये की मंथली खर्चे से शुरुआत की। यह एक आम मिडिल-क्लास लाइफस्टाइल का खर्चा था, जिसमें कुछ भी फालतू या लग्जरी नहीं था।

अजय देवगन के पास पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के 1000000 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन का स्मॉलकैप कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल पर बड़ा दांव है। अजय देवगन के पास पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के 10,00,000 (10 लाख) शेयर हैं। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल अब अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा दे रही है। कंपनी अपने निवेशकों को फ्री शेयर (बोनस शेयर) देने जा रही है। पिछले 6 साल से कुछ ज्यादा समय में पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के शेयरों में 6000 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल, फिल्म प्रॉडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस से जुड़ी है। स्मॉलकैप कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल अपने शेयरधारकों को 5 :2 के रेशियो में बोनस शेयर देने जा रही है। यानी, कंपनी हर 2 शेयर पर अपने निवेशकों को 5 बोनस शेयर देगी। कंपनी ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय की है। कंपनी पहली बार अपने निवेशकों को बोनस शेयर बांट रही है। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2024 में अपने शेयर को 5 टुकड़ों में बांटा था। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 2-2 रुपये फेस वैल्यू वाले 5 शेयरों में बांटा। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल में अजय देवगन की हिस्सेदारी 1.41 पर्सेंट है। बॉलीवुड सुपरस्टार के पास पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के 10 लाख शेयर हैं। कंपनी की शेयरहोल्डिंग का यह डेटा सितंबर 2025 तिमाही तक का है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 64.96 पर्सेंट है। वहीं, पब्लिक शेयरहोल्डिंग 35.04 पर्सेंट है।

पहले ही दिन फुल हुआ आईपीओ, 40 प्रतिशत के पार पहुंचा जीएमपी

नई दिल्ली, एजेंसी। मीशो का आईपीओ पहले ही दिन फुल हो गया है। कंपनी के आईपीओ

को लोगों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। सब्सक्रिप्शन के पहले दिन मीशो के आईपीओ पर 2 गुना से ज्यादा दांव लग गया है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए शुक्रवार 5 दिसंबर तक खुला हुआ है। मीशो के शेयर ग्रे मार्केट में भी अपना जलवा दिखा रहे हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 40 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। मीशो के आईपीओ का टोटल साइज 5421.20 करोड़ रुपये तक का है। आईपीओ में मीशो के शेयर का दाम 111 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में मीशो के शेयर 45 रुपये के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। अगर मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो मीशो के शेयर 156 रुपये के करीब बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, आईपीओ में जिन इनवेस्टर्स को कंपनी के शेयर अलॉट होंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन 40 पर्सेंट से अधिक के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 8 दिसंबर को फाइनल हो सकता है।
मीशो का आईपीओ पहले ही दिन 2.46 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 4.13 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है।

स्मार्टफोन, पेट्रोल, लैपटॉप... सब हो जाएंगे महंगे!

डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये ने कैसे बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया ऐतिहासिक रूप से गिर गया। यह पहली बार है जब रुपया एक डॉलर के मुकाबले 90 के पार चला गया। फॉरेन फंड्स के बाहर जाने, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता इसके मुख्य कारण रहे। फॉरेक्स ट्रेडर्स का कहना है कि ज्यादातर समय भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से कोई खास दखल न देना भी बाजार पर दबाव बना रहा था। रुपये की इस कमजोरी का असर सिर्फ शेयर बाजार या विदेशी मुद्रा व्यापारियों तक ही सीमित नहीं है। यह अब आम भारतीय परिवारों को भी प्रभावित कर रहा है, चाहे वह पेट्रोल-डीजल के दाम हों, ईएमआई, बच्चों की ट्यूशन फीस हो या फिर विदेश यात्रा का खर्च।

कैसे पड़ेगा आम आदमी पर असर?

भारत अपनी 90 प्रतिशत तेल की जरूरतें आयात करता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, उर्वरक और खाने के तेल जैसी जरूरी चीजों के लिए भी हम विदेशी सप्लायर्स पर निर्भर हैं। जब रुपया कमजोर होता है, तो इन सभी आयातित चीजों की कीमतें बढ़ जाती हैं। यानी अधिक मात्रा में डॉलर चुकाने होते हैं। इसका सीधा मतलब है कि आपका अगला आईफोन, फ्रिज या कार खरीदना महंगा हो सकता है। जो छात्र विदेश में पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें साल 2023 की तुलना में सालाना 5 से 10 लाख रुपये ज्यादा खर्च करने पड़ सकते हैं।

रुपये में गिरावट के 3 कारण

✦**अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव:** हाल ही में अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताएं असफल रहीं। अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर टैरिफ बढ़ा दिए हैं, कुछ तो 50 प्रतिशत तक। इससे भारतीय व्यवसायों का भरोसा डगमगा गया है।

✦**निवेशकों का पलायन:** भारत में महंगाई और जीडीपी ग्रोथ स्थिर होने के बावजूद, विदेशी निवेशकों ने साल 2025 में भारतीय शेयर मार्केट से 17 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है।

✦आरबीआई की नीति में बदलाव अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनिमय दर व्यवस्था को स्थिर से बदलकर रेंगने जैसी श्रेणी में डाल दिया है। इसका मतलब है कि अब भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को बचाने की कोशिश करने के बजाय।

पशु आहार कंपनी मुक्का प्रोटीन्स का शेयर बना रेस का घोड़ा

474 करोड़ के आर्डर के बाद 20 प्रतिशत की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मुक्का प्रोटीन्स के शेयर की कीमत गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 20 प्रतिशत की उछाल के साथ 30.25 रुपये पर पहुंच गई। यह उछाल कंपनी को 474 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के एक आर्डर मिलने की घोषणा के बाद आया। इस छोटी कंपनी के शेयर बीएसई पर 20 प्रतिशत बढ़कर 30.25 रुपये प्रति शेयर तक पहुंच गए। पशु आहार निर्माता कंपनी मुक्का प्रोटीन्स ने बताया कि उसके संयुक्त उद्यम ने हार्दिक गौड़ा और एमएस जतिन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर बेंगलुरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड से जीएसटी

अलग 474.89 करोड़ रुपये का कार्य आदेश प्राप्त किया है। यह आदेश 3 दिसंबर 2025 का है और यह मित्तागनहल्ली और कन्नूर लैंडफिल साइटों में जमा पुराने लीचेट (कचरे से रिसा दूषित पानी) के उपचार और निपटान के लिए है। इस अनुबंध को पूरा करने की अवधि चार वर्ष निर्धारित की गई है, या लैंडफिल स्थलों में जमा पुराने लीचेट के उपचार और निपटान तक, जो भी पहले हो। मुक्का प्रोटीन्स के शेयर ने एक महीने में 12 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की है, लेकिन तीन महीनों में यह सपाट रहा है।

नए व्यवसायों की संख्या बढ़ने से सेवा क्षेत्र में तेजी, नवंबर में वृद्धि रही जोरदार

नई दिल्ली, एजेंसी। नए व्यवसायों की संख्या में तेजी से वृद्धि और कीमतों में कमी से नवंबर में सेवा क्षेत्र की वृद्धि में तेजी आई है। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स बढ़कर 59.8 हो गया। अक्तूबर में यह गिरकर 58.9 पर आ गया था। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का मतलब मजबूती और इससे नीचे का मतलब कमजोरी माना जाता है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए व्यवसायों के आने से सेवा क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि को बढ़ावा मिला है। एशिया, यूरोप व मध्य पूर्व में कंपनियों के लाभ दर्ज करने के साथ अंतरराष्ट्रीय बिक्री में सुधार जारी रहा। हालांकि, विस्तार की दर आठ माह के निचले स्तर पर आ गई। कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा व अन्य जगहों पर सस्ती सेवाओं की आपूर्ति ने विकास को बाधित किया। भंडारी ने कहा, विदेशी सेवाओं में प्रतिस्पर्धा के कारण अंतरराष्ट्रीय बिक्री आठ महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति लगभग साढ़े पांच साल के निचले स्तर पर आ गई। बिक्री शुल्क में मामूली वृद्धि हुई। हालांकि नवंबर में भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में और नौकरियां जुड़ीं, लेकिन विस्तार की दर मध्यम मोटे तौर पर पिछले दो महीनों के समान ही रही। अधिकतर कंपनियों ने इस दौरान पेरोल संख्या में कोई बदलाव नहीं बताया। एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स अक्तूबर के 60.4 से गिरकर नवंबर में 59.7 पर आ गया। यह मई के बाद से सबसे धीमी वृद्धि दर दर्शाता है। यह तीसरी वित्तीय तिमाही के मध्य तक विकास में नरमी और मुद्रास्फीति के कम दबाव के बीच हुआ।

भारत की तेज बढ़ती आर्थिक रफ्तार ग्लोबल पावरशिफ्ट की शुरुआत

पश्चिमी मीडिया ने कहा- यह कृत्रिम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ को बेअसर करते हुए दूसरी तिमाही में भारतीय जीडीपी की 8.2 प्रतिशत वृद्धि, विनिर्माण व सेवाओं में उछाल व घरेलू मांग की मजबूती ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर मोड़ दिया है। पश्चिमी और खाड़ी देशों के मीडिया समूहों ने इसे ग्लोबल पावरशिफ्ट की शुरुआत बताया है, जहां अमेरिका-चीन की धीमी आर्थिक रफ्तार के बीच भारत सबसे तेजी से उभरती शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। यह तेज भागती आर्थिक रफ्तार कृत्रिम नहीं बल्कि लंबे समय से किए गए प्रयासों का परिणाम है। अमेरिकी मीडिया ग्रुप्स ने लिखा, भारत की वृद्धि दर लगातार 6 तिमाहियों तक 7 प्रतिशत से अधिक रहना विश्व अर्थव्यवस्था में दुर्लभ है।

अमेरिकी जीडीपी की धीमी मांग व चीन की उत्पादन सुस्ती के विपरीत भारत में घरेलू उपभोग 6.4 प्रतिशत से बढ़कर

7.9 प्रतिशत होना आर्थिक उछाल की बड़ी वजह है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा, भारत में उपभोक्ता खर्च, उत्सव सीजन की मांग व विनिर्माण उद्योग में भरोसा दिखाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था रिकवर नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण कर रही है। यूरोपीय आर्थिक विशेषज्ञों ने कहा, भारत की वृद्धि कृत्रिम नहीं बल्कि वास्तविक मांग आधारित है। दूसरे देशों की तुलना में भारत की महंगाई नियंत्रित, रोजगार बाजार स्थिर और कॉरपोरेट निवेश से संकेत मिलते हैं कि भारतीय विकास मॉडल लंबे समय तक टिकाऊ रहेगा।

लगातार मजबूत घरेलू मांग

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका बड़ा और सक्रिय घरेलू बाजार है। त्योहारों, उपभोक्ता खर्च व जीवन स्तर में सुधार ने बाजार की मांग को स्थिर बनाया है। जब वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी, आपूर्ति श्रृंखला संकट और निर्यात में गिरावट से प्रभावित रहती है तब भी भारत की मांग घरेलू स्तर पर ही अर्थव्यवस्था को सहारा देने और आगे बढ़ाने में सक्षम रही।

विनिर्माण व सेवाओं में विस्तार

भारत ने कुछ वर्षों में विनिर्माण के लिए नीतिगत प्रोत्साहन, निवेश आकर्षण और औद्योगिक क्लस्टर निर्माण पर जोर दिया। इसका परिणाम यह रहा कि उत्पादन व रोजगार सृजन मजबूत हुआ।

एशिया क्षेत्र में शक्ति संतुलन बदला

एशिया पावर इंडेक्स-2025 का हवाला देते हुए पश्चिमी विश्लेषकों ने लिखा है कि भारत ने रूस, जापान और ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़कर एशिया की तीसरी सबसे बड़ी शक्ति बनकर क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति दोनों में अपने प्रभाव का विस्तार किया है। 83.90 स्कोर के साथ भारत केवल अमेरिका और चीन से पीछे है।

डिजिटल बैंकिंग नियम 1 जनवरी से लागू होंगे

बैंकों की मंजूरी प्रक्रिया सख्त होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने जुलाई में जारी मसौदे पर उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद, डिजिटल चैनलों के माध्यम से बैंक सेवाएं देने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होंगे। इनके तहत बैंकों की मंजूरी प्रक्रिया सख्त होगी, अनुपालन और ग्राहक सुरक्षा आवश्यकताएं बढ़ेंगी और खुलासे तथा शिकायत निवारण के मानक मजबूत होंगे।

ये नियम उन बढ़ती शिकायतों के जवाब में आए हैं जहां बैंक ग्राहकों पर इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं का लाभ लेने या कार्ड सक्रिय करने के लिए मोबाइल ऐप डाउनलोड करने का दबाव डाल रहे थे। यह नियम ऐसे समय में आए हैं जब नियामक ग्राहक अनुभव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और सेवाओं के बंडलिंग (एक साथ थोपने) को रोकने के लिए बैंकों पर कार्रवाई कर रहा है।

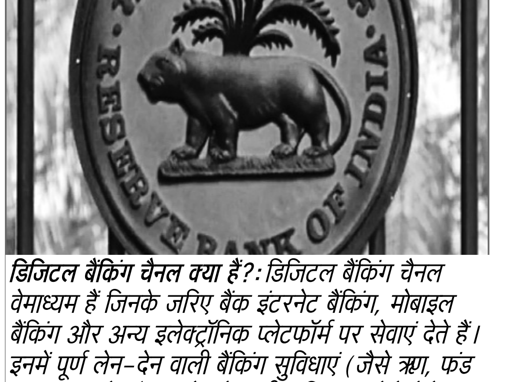

डिजिटल बैंकिंग चैनल क्या हैं?: डिजिटल बैंकिंग चैनल वेमाध्यम हैं जिनके जरिए बैंक इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर सेवाएं देते हैं। इनमें पूर्ण लेन-देन वाली बैंकिंग सुविधाएं (जैसे ऋण, फंड ट्रांसफर) और केवल देखने वाली सुविधाएं (जैसे बैलेंस चेक करना, स्टेटमेंट डाउनलोड करना) शामिल हैं।

नए नियम किन पर लागू होंगे?

उद्योग ने इन दिशा-निर्देशों को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और फिनटेक तक बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन आरबीआई ने इन्हें केवल विभिन्न श्रेणियों के बैंकों तक सीमित रखा है। हालांकि, अगर बैंक किसी तीसरे पक्ष या फिनटेक को सेवाएं आउटसोर्स करते हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि वे सेवाएं मौजूदा नियमों का पालन करें।

डिजिटल बैंकिंग सेवाएं देने के लिए क्या मंजूरी चाहिए?: कोई भी बैंक जिसके पास कोर बैंकिंग सॉल्यूशन और इंटरनेट प्रोटोकॉल वर्जन 6 ट्रैफिक को संभालने में सक्षम सार्वजनिक आईटी बुनियादी ढांचा है, वह केवल देखने वाली डिजिटल बैंकिंग सेवाएं दे सकता है, लेकिन लेन-देन वाली डिजिटल बैंकिंग शुरू करने के लिए आरबीआई की पूर्व मंजूरी जरूरी होगी। बैंकों को कई अतिरिक्त शर्तें पूरी करनी होंगी, जैसे पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी क्षमता, साइबर सुरक्षा अनुपालन का मजबूत रिकॉर्ड और मजबूत आंतरिक नियंत्रण।

नवरत्न कंपनी को मिला 145 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर गुरुवार को तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर गुरुवार को क्रस्थ में उछाल के साथ 316.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। रेल कंपनी के शेयरों में यह तेजी एक ऑर्डर मिलने के बाद आई है। रेल विकास निगम लिमिटेड को सदर्न रेलवे (दक्षिण रेलवे) से एक लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। यह ऑर्डर एक ट्रैक्शन पावर प्रोजेक्ट के लिए है। यह प्रोजेक्ट 145.35 करोड़ रुपये का है। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में पिछले पांच साल में 1200 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

अज्ञात

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति, लगभग 65 वर्ष, कद 5 फीट, रंग गेहुँआ, पतला शरीर, लाल और नीले रंग की चेक शर्ट पहने हुए, दिनांक 27.11.2025 को लोकल बस स्टैंड, सेक्टर-17, चंडीगढ़ के पास अचेतावस्था में मिला था। उक्त व्यक्ति को सीआर सं. 20250581689 के तहत जीएमएसएच, सेक्टर-16, चंडीगढ़ ले जाया गया, जहाँ उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस संबंध में पीएस-17, चंडीगढ़ में दिनांक 27.11.2025 को एक डीडीआर सं. 37 दर्ज की गई है। मृतक के कानूनी वारिस ज्ञात नहीं है। उसकी फोटो ऊपर दी गई है।

यदि किसी व्यक्ति का मृतक के बारे में कोई जानकारी/सुराग प्राप्त हो, तो कृपया एसएचओ पुलिस स्टेशन-17, चंडीगढ़ को दूरभाष सं. 9779580917, 0172-2920993, 2700453 या पुलिस कंट्रोल दूरभाष सं. 0172-2749194 अथवा 112 पर सूचित करें।

चंडीगढ़ पुलिस

A-213

शरीर में हार्मोन संतुलित करने के लिए रोज सुबह जरूर पिएं ये ड्रिंक, दूर होंगी कई समस्याएं

स्वस्थ रहने के लिए शरीर में हार्मोन्स का बैलेंस रहना भी बेहद जरूरी होता है। अगर आपके हार्मोन्स असंतुलित हो गए हैं तो संभव है कि आपको स्वास्थ्य से जुड़ी अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसे बैलेंस रखने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे अपनाते हैं। कुछ लोग तो इसके लिए दवाओं का भी सेवन करते हैं। जबकि आप घर पर बनी मात्र एक हेल्दी ड्रिंक पीकर भी हार्मोन्स को बैलेंस कर सकते हैं। आइये डाइटिशियन ऋचा गंगानी से जानते हैं इस ड्रिंक को पीने से हार्मोन्स कैसे नियंत्रित होते हैं और इसे बनाने का तरीका।

कैसे बनाएं ये ड्रिंक?

- यह ड्रिंक बनाना काफी आसान है। इसे आप घर पर आसानी से बना सकते हैं।
- इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको घी और नारियल का तेल लेना है।
- अब इसके बाद आपको हल्दी और काली मिर्च लेनी है।
- यह सामाग्रियां जुटाने के बाद आपको एक गिलास पानी गर्म करना है।
- अब गर्म पानी में सबसे पहले एक चम्मच घी मिलाएं। इसके बाद इसमें अन्य सामग्रियां डालें।
- इस ड्रिंक एक साथ मिलाकर आप सुबह खाली पेट इसे पी सकते हैं।

हार्मोन्स बैलेंस करने में मददगार

अगर आपको हार्मोनल इंबैलेंस की समस्या है तो ऐसे में इस ड्रिंक को जरूर पिएं। इसमें घी और हल्दी की मात्रा होती है, जो शरीर में हार्मोन्स के उत्पादन को कंट्रोल करने के साथ ही उसे बैलेंस रखने में भी मदद करती है। यह ड्रिंक शरीर में होने वाले ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और सूजन को कम करके हार्मोन्स के इंबैलेंस को कम करने में मददगार साबित होती है। सुबह के समय घी खाने से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन्स का लेवल बैलेंस रहता है।

इस ड्रिंक को पीने के अन्य फायदे

- यह ड्रिंक सेहत के लिए अन्य भी कई तरीकों से फायदेमंद साबित होती है।
- अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो भी इस ड्रिंक को पी सकते हैं।
- इसे पीने से पाचन प्रक्रिया तेज होने के साथ ही मेटाबॉलिज्म भी दुरुस्त रहता है।
- इस ड्रिंक को पीने से शरीर की थकान दूर होती है साथ ही उर्जा की कमी महसूस नहीं होती है।

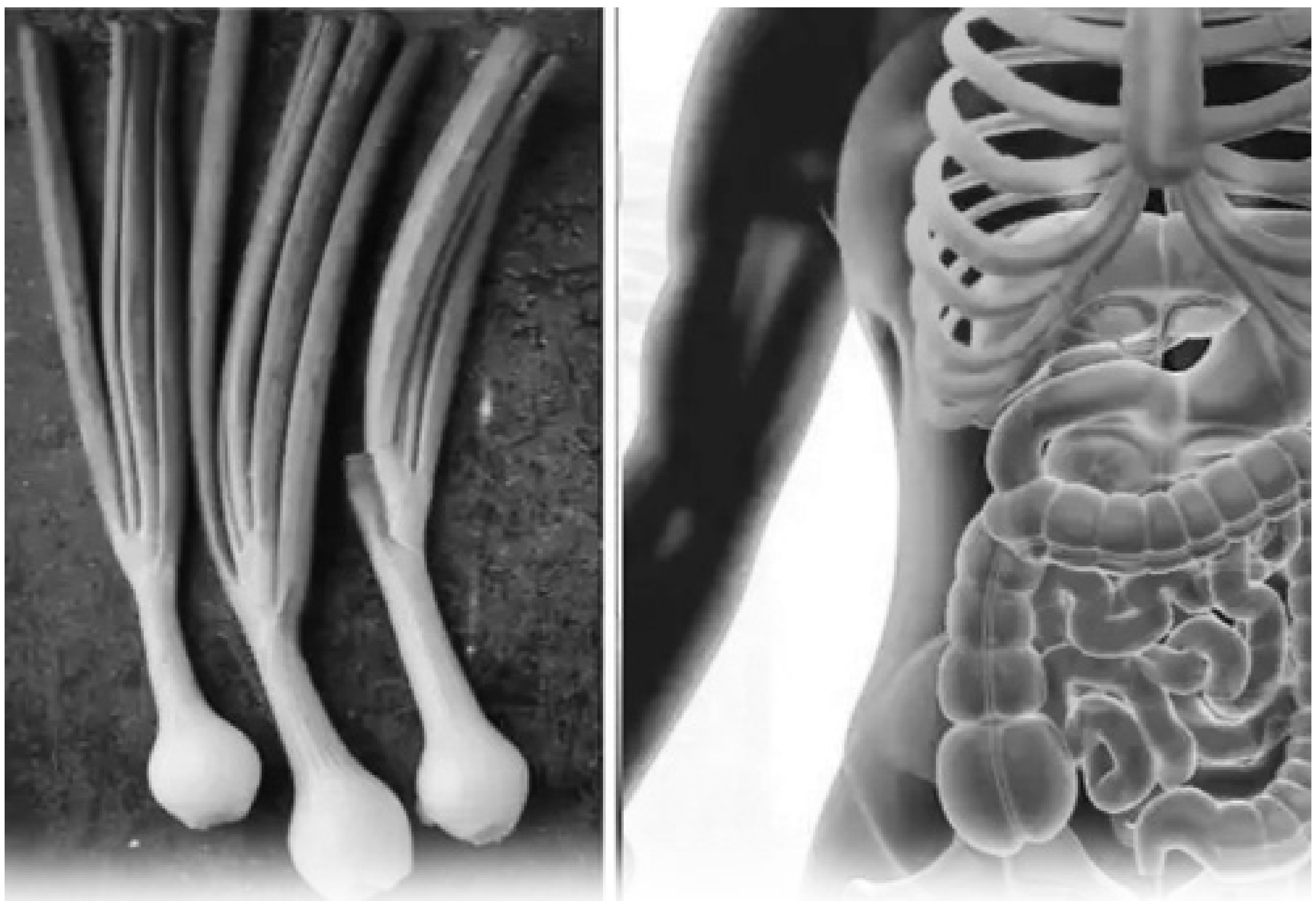

पूरी सर्दी खा लें हरी प्याज, कैंसर से लेकर हार्ट डिजीज तक हर बीमारी होगी दूर

हरी प्याज, जिसे स्प्रिंग अनियन भी कहा जाता है, पोषक तत्वों से भरपूर है। यह आंखों की रोशनी बढ़ाने, कैंसर का जोखिम कम करने, पाचन में सुधार, दिल की सेहत बेहतर बनाने और स्किन को जवां रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन ए, सी, सल्फर, फाइबर और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं।

प्याज की अलग अलग वैरायटी होती है और उनमें से एक है हरी प्याज यानि स्प्रिंग अनियन। इसका सेवन करने से आपके शरीर को काफी सारे लाभ मिल सकते हैं। यह खाने में भी स्वादिष्ट होता है। इस का प्रयोग करके आप किसी भी बोरिंग डिश को एक स्वादिष्ट व्यंजन बना सकते हैं जो स्वास्थ्य लाभों से भी भरपूर होगी। इसको तड़के में प्रयोग कर सकते हैं या बाद में सब्जी में भी डाला जा सकता है। हरी प्याज का सेवन करने से आपकी आंखों को भी लाभ मिलते हैं। अगर आप ऐसे व्यक्ति हैं जिसे सब्जियां खानी इतनी पसंद नहीं है, तो आप को एक बार हरी प्याज वाली किसी डिश का सेवन करना चाहिए और आप अपना मन चुटकियों में बदल लेंगे। आइए जान लेते हैं हरी प्याज खाने के स्वास्थ्य लाभों के बारे में। कैंसर और हार्ट डिजीज के खतरे को कम किया जा सकता है।

आंखों के लिए लाभदायक

हरे प्याज में विटामिन ए होता है और यह आपकी आंखों के लिए काफी जरूरी होता है। इसका सेवन करने से आंखों की इन्फ्लेमेशन और मैक्यूलर डिजेनरेशन नाम जैसी स्थितियों से राहत मिलती है जो ऐसे डिसऑर्डर होते हैं जिनसे आप की आंखों की रोशनी भविष्य में जा भी सकती है। इसमें लूटेन जैसे कार्टनॉइड होते हैं जो आपकी आंखों को मजबूत बनाने में काफी सहायक माने जाते हैं।

पाचन में मदद करता है

हरे प्याज का सेवन करने से आपको पाचन में भी लाभ मिलता है। आप हरे प्याज का सेवन स्नैक के रूप में भी कर सकते हैं। इनमें फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है और पाचन को सुधारने में भी मदद करते हैं। अगर आप को गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्या है तो आप इसका सेवन कर सकते हैं। हरे प्याज का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र काफी एक्टिव हो जाता है और ब्लॉटेड इंटेस्टाइन में मदद करता है। आपको अगर पाचन से जुड़ी समस्याएं हैं तो दिन में 20 से 30 ग्राम स्प्रिंग अनियन का सेवन जरूर करें।

कैंसर के रिस्क को करते हैं कम

एन सी बी आई के मुताबिक हरे प्याज में सल्फर पाया जाता है जो आपके शरीर के लिए लाभदायक तत्व होता है। इसका सेवन करने से कैंसर होने का रिस्क कम हो सकता है। इसमें फ्लेवोनॉयड और अल्ली सल्फाइड जैसे तत्व होते हैं जो ऐसे एंजाइम को बढ़ने से रोकते हैं जो कैंसर सेल्स बना सकते हैं। इसलिए अगर अपना कैंसर होने का रिस्क कम करना चाहते हैं तो आप को अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को शामिल करना शुरू कर देना चाहिए।

स्किन के लिए लाभदायक

स्प्रिंग अनियन का सेवन करना आपकी स्किन के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसका सेवन करने से स्किन रेडिएंट रहती है। इसमें विटामिन सी होता है और यह शरीर में कॉलेजन की मात्रा को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप एजिंग के लक्षण देर से आएं, यह चाहती है तो अपनी रोजाना की डाइट में हरे प्याज को जरूर शामिल करें। इसका सेवन करने से स्किन स्मूद होती है और झुर्रियां कम होती हैं। साथ ही कॉलेजन के उत्पादन से आप को जल्दी एजिंग लक्षण नहीं देखने को मिलते हैं और स्किन काफी जवान और स्मूद लगती है।

दिल के लिए लाभदायक

हरे प्याज का सेवन करना दिल की सेहत के लिए भी काफी लाभदाई हो सकता है। इसमें प्राकृतिक रूप से पोटेशियम पाया जाता है और यह ब्लड प्रेशर को नॉर्मल बनाने में भी मदद करता है। यह आपके शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल को बढ़ाने में मदद करता है। LDL कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने में सहायक होते हैं। इसका सेवन करने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क काफी हद तक कम हो सकता है।

आप भी पीते हैं नमक वाली चाय?

जानें इससे होने वाले गंभीर नुकसान

चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से अपच, एसिडिटी और ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

चाय भारत में पानी के बाद सबसे ज्यादा पी जाने वाली ड्रिंक है। इसका सेवन बड़े-बूढ़ों से लेकर बच्चे भी करते हैं। चाय का मार्केट इतना बड़ा है कि दुनियाभर में अलग-अलग तरह की चाय मिलती है। आमतौर पर लोग दूध वाली चाय का ही सेवन करते हैं। भारत में मसाला चाय और हर्बल चाय का भी चलन है। सावधानीपूर्वक और सही तरीके से चाय का सेवन करने से शरीर को फायदे भी मिलते हैं। लेकिन गलत तरीके से इसका सेवन करना सेहत के लिए गंभीर होता है। चाय का सेवन करने वाले कुछ लोग इसमें नमक मिलाकर भी पीते हैं। नमक वाली चाय सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकती है।

नमक वाली चाय पीने के नुकसान

नमकीन चाय एक प्रकार की चाय है जिसमें नमक और अन्य मसाले डाले जाते हैं। अक्सर लोग चाय बनाते समय दूध के साथ कुछ मात्रा में नमक भी डाल देते हैं। सर्दी-जुकाम या इन्फेक्शन होने पर भी लोग नमकीन चाय का सेवन करते हैं। नक्लीनिकल डाइटिशियन कहते हैं, चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीना नुकसानदायक होता है। नमक वाली चाय का सेवन करने से कई गंभीर नुकसान का खतरा रहता है। इसलिए चाय में दूध के साथ नमक मिलाकर पीने से बचना चाहिए। नमक वाली चाय पीने के नुकसान इस तरह से हैं-

हाई ब्लड प्रेशर – दूध वाली चाय में नमक डालकर पीने से हाई ब्लड प्रेशर का खतरा रहता है। नमक ज्यादा खाने से ब्लड में नाट्रियम की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे बीपी बढ़ सकता है।

शरीर में पानी भरना – नमक वाली चाय का ज्यादा सेवन करने से शरीर में पानी भर सकता है। इसकी वजह से पेशाब की समस्या भी हो सकती है।

गैस और एसिडिटी – नमक के अधिक सेवन से पाचन तंत्र में समस्याएं हो सकती हैं, जिससे गैस और एसिडिटी का खतरा रहता है। यह पेट में असहजता और तकलीफ का कारण बन सकता है।

पाचन तंत्र के लिए हानिकारक – नमकीन चाय का अधिक सेवन करने से पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचता है। इससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी – नमक के अत्यधिक सेवन से शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है, जिससे कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

नुकसान से कैसे बचें?

नमक वाली चाय का सेवन शरीर में ऊपर बताई गई समस्याओं का कारण हो सकता है। इसके अलावा चाय का भी ज्यादा मात्रा में सेवन करने से कई गंभीर नुकसान होने का खतरा रहता है। चाय पीने की वजह से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हेल्दी डाइट और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनानी चाहिए। इसके नुकसान से बचने के लिए डाइट में फल, सब्जी और हेल्दी चीजों को शामिल करें। नियमित रूप से व्यायाम और एक्सरसाइज का अभ्यास करने से भी इसके नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है?

जानें बच्चों में दिखाई देने वाले इसके लक्षण

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक चिंता का विषय है। ट्रॉमा स्वयं विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है। कई बार बचपन में कुछ बच्चों ऐसी घटना का सामना करना पड़ता है, जिसका असर उन्हें बाद तक महसूस होता है। इसका प्रभाव बच्चे के जीवन में कई तरह की नकारात्मकता को ला सकता है। इसकी वजह से बच्चे के मानसिक विकास प्रभावित होता है। बच्चा अन्य बच्चों की तुलना में पिछड़ सकता है। इस लेख में आगे जानेगें कि डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर क्या है। इस दौरान कैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

इस स्थिति में बच्चों को घर के सदस्य या करीबी से मानसिक समस्या हो सकती है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर (डीटीडी) में बच्चे की भावनाओं पर बुरा असर पड़ता है। डीटीडी प्रतिकूल परिस्थितियों, जैसे दुर्व्यवहार, उपेक्षा, या घरेलू वातावरण में अस्थिरता के कारण हो सकता है। डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के कारण अलग-अलग हो सकते हैं, जो अक्सर सामाजिक-आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों से जुड़े होते हैं। बच्चे अक्सर शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण के साथ-साथ अपने करीबी के द्वारा उपेक्षा या छोड़ने के चलते डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर महसूस कर सकते हैं।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर के लक्षण

लोगों के साथ जुड़ने में मुश्किल होना डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर का एक प्रमुख लक्षण है कि बच्चे देखभाल करने वालों या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। बच्चे किसी पर ट्र्स्ट नहीं कर पाते हैं। इसका असर बच्चे के सामाजिक और भावनात्मक डेवलपमेंट में भी पड़ सकता है।

भावनात्मक विकृति

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं, तेजी से मूड स्विंग्स, क्रोध या आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। यह बच्चे के ट्रॉमा की वजह से उत्पन्न होता है। बच्चे किसी से बात नहीं कर पाते हैं।

हमेशा डर में रहना

ट्रॉमा के अपने पिछले अनुभवों के कारण, बच्चे अक्सर अपने वातावरण में संभावित खतरों के प्रति अतिसतर्कता और बढ़ी हुई संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। वे अपरिचित स्थितियों या व्यक्तियों से अत्यधिक सावधान हो सकते हैं। किसी कार्य को वह बार-बार टालने लगते हैं।

कॉग्नेटिव माइंड पर असर

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर में बच्चे के संज्ञानात्मक कामकाज (कॉग्नेटिव माइंड) प्रभावित हो सकता है, जिससे बच्चा केंद्रित करने, सीखने और जानकारी को याद नहीं रख पाता है। बच्चे की पढ़ाई में भी इसका असर पड़ता है।

व्यवहार में बदलाव

कुछ मामलों में, डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर वाले बच्चे अपने भावनात्मक दर्द से बचने के लिए आक्रमक हो जाते हैं। उनके व्यवहार गुस्से में बदलने लगता है। इसकी वजह से उनको घर के अन्य लोगों से डांट खाने को मिल सकती है।

डेवलपमेंट ट्रॉमा डिसऑर्डर एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जो प्रभावित बच्चों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालती है। यदि, बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

23 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के सबसे सफल लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट की पहली ही दिन रिकॉर्ड बुक को हिला दिया। इंग्लैंड के उप-कप्तान हैरी ब्रुक को आउट करते ही स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

स्टार्क की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग स्पेल- पहले दिन स्टार्क ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों पर कहर बरपा दिया। पहली ओवर में बेन डकेट को गोल्डन डक पर चलता किया।

23 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

वसीम अकरम ने 104 टेस्ट में 414 विकेट लिए थे। स्टार्क ने यह उपलब्धि अपने 102वें टेस्ट में हासिल कर ली और वर्तमान में टेस्ट के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की सूची में 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आंद्रे रसेल ने किया खुलासा, आईपीएल में सबसे मुश्किल गेंदबाज कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल से संन्यास लेने के बाद केकेआर के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने करियर का सबसे कठिन गेंदबाज चुनते हुए बड़ा खुलासा किया है। रसेल के मुताबिक, मुंबई इंडियंस के स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह ने हमेशा उन्हें चुनौती दी और उन्हें कई बार आउट भी किया।

'मेरे क्रीज पर आते ही बुमराह गेंदबाज़ी करने लगते थे'– सीज़न 14 साल खेलने के बाद आईपीएल से रिटायर हुए 37 वर्षीय रसेल ने कहा कि बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। रसेल ने कहा, 'आईपीएल में मेरे सामने आने वाले सबसे मुश्किल गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह हैं। जैसे ही मैं बैटिंग करने आता हूं, वह गेंद थमा देते हैं। उन्होंने मुझे कई बार आउट किया है, लेकिन मैंने भी उन्हें कुछ शानदार शॉट्स मारे हैं।

- **बुमराह ने रसेल को आईपीएल में 4 बार किया आउट**– जसप्रीत बुमराह ने रसेल को चार बार आउट किया है। रशिद खान, क्रिस मॉरिस और शार्दुल ठाकुर ने भी रसेल को 4-4 बार आउट किया है।

संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा

हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में चैंपियन बनाने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। हालांकि, आईपीएल में उसके बाद भी हिटमैन का जलवा देखने को मिला। अब ताजा रिपोर्ट में यह

जानकारी सामने आई है कि आईपीएल के अलावा रोहित शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मुंबई की टीम के लिए खेलने की इच्छा जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से यह जानकारी सामने आई है कि रोहित शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के नॉक आउट में मुंबई की टीम के लिए खेलने की इच्छा जाहिर की है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'रोहित ने मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के नॉक आउट राउंड में खेलने की इच्छा जाहिर की है।'

हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर?

रोहित शर्मा वर्तमान में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की वनडे टीम का हिस्सा हैं। 6 दिसंबर को इस सीरीज के खत्म होने के बाद वह अगले महीने तक इंटरनेशनल क्रिकेट से फ्री हैं। इसके बाद जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इस बीच वह इंदौर में 12 से 18 दिसंबर तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में होने वाले मुंबई के नॉक आउट मुकाबलों में नजर आ सकते हैं।
मुंबई की टीम का मौजूदा टूर्नामेंट में बात करें तो अभी तक शानदार प्रदर्शन रहा है। टीम ने अपने शुरुआती चारों मुकाबले जीते हैं और एलीट स्टेज में ग्रुप ए की अंकतालिका में टॉप पर है। अब पांचवें मुकाबले में टीम का सामना केरल से हो रहा है। टीम की मौजूदा स्थिति देखते हुए नॉक आउट में एंट्री लगभग तय मानी जा रही है।

लिविंगस्टोन का शारजाह में तूफानी धमाका

एक ओवर में ठोके 5 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में लियाम लिविंगस्टोन ने वह कर दिखाया जिसे देखकर दर्शक भी दंग रह गए. इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ने अपने पहले ही मैच में विश्व आईएलटी-20लीग का रंग जमा दिया. अबू धाबी नाइटराइडर्स के लिए खेलते हुए लिविंगस्टोन ने सिर्फ 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 8 छक्के और 2 चौके शामिल थे. उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 233/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस लीग के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है.

आखिरी ओवर में मचा कहर

लिविंगस्टोन की पारी का सबसे रोमांचक हिस्सा आखिरी ओवर रहा. ड्वेन प्रीटोरियस गेंदबाजी करने आए और पहली गेंद खाली निकालकर राहत की सांस ही ले रहे थे कि अगले ही पलों में उनका सब्र टूट गया. लिविंगस्टोन ने दूसरी से छठी गेंद तक लगातार 5 छक्के जड़कर ओवर में 33 रन कूट दिए. इस ओवर ने न सिर्फ उनकी पारी को नई ऊंचाई दी, बल्कि मैच का पूरा मोमेंटम भी नाइटराइडर्स के पक्ष में कर दिया.
शुरुआत से लेकर अंत तक धुआंधार बैटिंग- लिविंगस्टोन के पहुंचने से पहले एलेक्स हेल्स (32) और अलीशान शराफू (34) ने टीम को तेज शुरुआत दी. नंबर 4 पर आए लिविंगस्टोन ने शुरुआत से ही बड़ा शॉट खेलना शुरू कर दिया. बीच के ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 27 गेंदों में 45 रन बनाकर बढ़िया साथ दिया और दोनों ने मिलकर स्कोरबोर्ड को चौगुनी रफ्तार दे दी.

359 का झनझनाता टारगेट...

और भारतीय गेंदबाजी का सिस्टम क्रैश!

नई दिल्ली, एजेंसी। 358 रनों का पहाड़ खड़ा किया भारत ने, लेकिन जैसे ही दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा शुरू किया, गेंदबाजी रास्ते में कहीं खो गई. विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ ने एक के बाद एक शतक ठोककर ऐसा बल्लेबाजी तमाशा पेश किया कि लगा मैच भारत के कब्जे में है. फिर भी क्रिकेट की यही खूबसूरती है- जब रन बड़े हों, तब भी जीत सुनिश्चित नहीं होती. दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा नहीं किया, उसका आनंद लिया. एडेन मार्करम का शतक भारतीय गेंदबाजों की बेबसी पर बयान था, जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके और डेवाल्ड ब्रेविस ने रन ऐसे बटोरे जैसे उन्हें रोकने का कोई सवाल ही नहीं. गेंदबाजी की हर योजना, हर बदलाव और हर ओवर... साउथ अफ्रीका के आत्मविश्वास के सामने फीका पड़ता गया. पूरे मैच में भारतीय गेंदबाजी न तो डर पैदा कर पाई, न ब्रेकथ्रू और न कोई ऐसा स्पेल फेंक सकी, जिसमें मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगे. शुरुआत से ही गेंदबाज लाइन-लेंथ तलाशते ही रह गए और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बेरहमी से रन बटोरते रहे.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

टीम इंडिया से बाहर होते ही रिंकू सिंह की तूफानी बैटिंग, 212 रनों तक पहुंची टीम

नई दिल्ली। रिंकू सिंह को टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना लेकिन अब इस खिलाड़ी ने अपने बल्ले का दम दिखाया है.

रिंकू सिंह ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी के मुकाबले में चंडीगढ़ के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेली. उनकी इस पारी के दम पर ही यूपी की टीम 212 रनों तक पहुंची.

रिंकू सिंह ने इस मैच में बनाए तो 24 रन लेकिन इसके लिए उन्होंने 10 गेंद खेली. खास बात ये है कि रिंकू सिंह ने अपनी इस पारी में दो छक्के-दो चौके लगाए.

रिंकू ने दिखाया जलवा

रंकू सिंह इस मुकाबले में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने अनुभवी तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को आड़े हाथों लिया. संदीप की 5 गेंदों पर उन्होंने 13 रन बनाए जिसमें एक छक्का और एक चौका शामिल है. निखिल शर्मा की गेंद पर भी उन्होंने सिक्स जड़ा. बता दें रिंकू सिंह को टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से सीरीज शुरू हो रही है और रिंकू को इससे बाहर क्यों रखा गया इसकी वजह भी नहीं बताई गई है. रिंकू ने टीम इंडिया के लिए 40 से ज्यादा की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं लेकिन उनके प्रदर्शन को अनदेखा कर दिया गया.

अर्जुन ने विश्वनाथन आनंद को दी मात

- *22 साल के युवा ग्रैंडमास्टर ने जेरूशलम मास्टर्स का जीता खिताब*

नई दिल्ली। भारत के 22 वर्षीय युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने जेरूशलम मास्टर्स के फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। इस शानदार जीत के बाद अर्जुन ने जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा, जानें हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर? 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय अर्जुन एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।

'यह जीत आसान नहीं थी...'

अर्जुन एरिगैसी ने इस बेहतरीन जीत के बाद कहा, ''यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के खिलाफ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज़ में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।''

नेशंस लीग फुटबॉल

स्पेन ने जीता महिला नेशंस लीग का खिताब, फाइनल में जर्मनी को 3-0 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56,000 दर्शक मौजूद थे जो घरेलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है। क्लाउडिया पिना के दो गोल की बदौलत स्पेन ने मंगलवार को महिला नेशंस लीग के फाइनल के दूसरे चरण में जर्मनी को 3-0 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। इन दोनों टीम के बीच फाइनल का पहला चरण गोलरहित बराबरी पर छूटा था। इस कारण दोनों टीम के लिए दूसरे चरण का मैच महत्वपूर्ण बन गया था। स्पेन ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बना दिया था। उसकी तरफ से पिना के अलावा विक्की लोपेज ने भी गोल किया। स्पेन की टीम इस मैच में तीन बार की बैलन डीओर विजेता ऐताना बोनमाटी के बिना उतरी थी जो रविवार को अभ्यास के दौरान चोटिल हो गई थी। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56,000 दर्शक मौजूद थे जो घरेलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

वैभव से नहीं बच पाए अर्जुन तेंदुलकर

4 छक्के, 4 चौके के साथ ठोक दिए 46 रन

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार और गोवा के मुकाबले में सभी की निगाहें वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर की टक्कर पर जमीं थी. क्रिकेट फैंस के जहन में सवाल था कि जब ये दोनों आमने-सामने होंगे तो कौन किस पर भारी पड़ेगा. अब जवाब सामने है. वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर का नतीजा आ चुका है.

वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ गोवा ने अपने 4 गेंदबाज आजमाए, जिसमें अर्जुन तेंदुलकर सबसे ज्यादा की स्ट्राइक रेट से पिटने वाले दूसरे गेंदबाज रहे. वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर की 10 गेंदों का सामना अपनी इनिंग में किया, जिसमें उन्होंने 150 की स्ट्राइक रेट से 15 रन बनाए. वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर के खिलाफ ये रन 3 चौके के साथ एक डबल और एक सिंगल लेते हुए बनाए.

अर्जुन से भी ज्यादा बुरी तरह वैभव ने इस गेंदबाज को पीटा

वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से गोवा के जिस गेंदबाज को पीटा, वो दीपराज गांवकर रहे. वैभव ने अपनी इनिंग में दीपराज की 5 गेंदों पर 300 प्लस की स्ट्राइक रेट से 16 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के और 1 चौका शामिल रहा. आखिर में वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेने में भी कामयाबी दीपराज गांवकर को ही मिली.

टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पांचवें बल्लेबाज बने टॉम लैथम

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। शतकीय पारी खेलने वाले लैथम न्यूजीलैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। टॉम लैथम ने दूसरी पारी में 250 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 145 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान 142वां रन बनाते ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे कर लिए।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वर्कशॉप इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (आई/सी) उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप, यमुनानगर, हरियाणा–135002, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, केवल निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से ई–निविदाएं आमंत्रित करता है–

कार्य का नाम	एसी शॉप के एसी वायरिंग अनुभाग की विविध आउटटर्न संबंधी गतिविधियों की आउटसोर्सिंग।		
निविदा प्रकार	खुला	बोली प्रणाली	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा विक्रय समापन तिथि	19.12.2025 प्रातः 11:30 बजे।	निविद अपलोड करने की तिथि एवं समय	04.12.2025
पूर्व–बोली आवश्यक है	नहीं	आज तक प्री–बिड क्वेरी	ना
विज्ञापन मूल्य	रू 99,81,290.89/– सभी कर जीएसटी आदि सहित	निविदा अनुभाग	टेंडर एवं वर्क्स/इलेक्ट्रिकल शाखा जगाधरी वर्कशॉप।
अग्रिम धन	रू 1,99,600/–	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा दस्तावेज लागत	Nil अप्रैल 2022 के भाग–I खंड संख्या 3 के अनुसार	समापन की अवधि	24 माह
बोली आरंभ तिथि	05.12.2025	बोली समाप्ति तिथि	19.12.2025 प्रातः 11:30 बजे।
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	उसके बाद किसी भी समय निविदा को बंद किया जा सकता है। निविदाकर्ताओं को उद्घाटन के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। निविदा बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोलने का अधिकार रेलवे के पास सुरक्षित है।		
वेबसाइट	www.ireps.gov.in पर जाएं		

सं. 56–डब्ल्यू/इलेक्ट/25–26/टी/10/एस आउटटर्न

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3756/25

सिरसा में नशा उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण और समाज में मीडिया की भूमिका पर 'वार्ता' का आयोजन

हिन्द जनपथ
सिरसा (ब्यूरो)। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रैस इंफोरमेशन ब्यूरो, चंडीगढ़ द्वारा वीरवार को हरियाणा के सिरसा में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को समर्पित मीडिया कार्यशाला 'वार्ता' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में नशा उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण और समाज में मीडिया की भूमिका आदि विषयों पर चर्चा की गई। इसका उद्देश्य इन विषयों पर विभिन्न आयामों पर सरकार और चौथे स्तंभ के बीच सार्थक संवाद और विचारों के उपयोगी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। जिला प्रशासन की ओर से इस मीडिया कार्यशाला में उपायुक्त शांतनु शर्मा, पुलिस अधीक्षक सिरसा दीपक सहारण, पुलिस अधीक्षक डबवाली निकिता खट्टर सहित जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यशाला में उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि मीडिया की सकारात्मक भूमिका एवं किसानों और औद्योगिक संस्थानों के योगदान से अबकी बार पराली जलाने की घटनाओं में पिछले वर्ष के मुकाबले काफी कमी आई है। विभाग और किसानों के बीच में बेहतर सामंजस्य स्थापित हुआ है। प्रशासन द्वारा विभिन्न मुहिम चलाकर पर्यावरण से संबंधित लोगों को जागरूक किया गया। सभी के सामूहिक प्रयासों से जिला में पराली जलाने की घटना में कमी आई है और फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर कृषि विभाग द्वारा किसानों को जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि नशे के प्रति जनता में जागरूकता लाने में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि आजकल नशा सभी के लिए एक चिंता का विषय है, इसके समाधान के लिए प्रशासन के साथ-साथ लोगों को भी अपनी सहभागिता निभाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसकी रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा दवाइयों की दुकानों पर समय-समय पर चेकिंग की जाती है और कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

सिरसा पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि मीडिया को संवेदनशीलता अपनाते हुए सही तथ्यों पर आधारित समाचारों को प्रस्तुत किया जाना चाहिए। मीडिया सकारात्मक समाचारों को भी प्राथमिकता से प्रदर्शित करें। यदि लोगों में यह बात प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए कि नशा से निजात पाई जा सकती है, जिससे नशे से ग्रस्त लोगों को मुख्यधारा में आने में सहायता मिलेगी। नशा पीड़ितों को नशा मुक्ति केंद्रों में जाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इस मौके पर उन्होंने किसानों से अपील की कि वे सर्दी के मौसम में धुंध के दौरान अपने ट्रेक्टर-ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर अवश्य लगवाएं, जिससे सडक़ दुर्घटनाओं से बचने में सहायता मिले।

डबवाली पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में नशा केवल एक अपराध नहीं है, बल्कि यह एक गहरी सामाजिक साजिश है जो परिवारों को तोड़ती और युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर देती है। तस्करी का नेटवर्क अत्यंत संगठित है और समय-समय पर अपनी रणनीतियां बदलता रहता है, इसलिए केवल प्रशासन के प्रयास से नहीं बल्कि समाज के हर हिस्से को जागरूक होकर सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार की भूमिका सिर्फ घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि पत्रकार समाज को नशे के खिलाफ जागरूक करने में अहम योगदान दें। उन्होंने कहा कि नशा अक्सर अंधेरे में पनपता है और पत्रकारिता का प्रकाश उसे कम करने में सहायक होता है। इसलिए समाचार प्रस्तुत करते समय सनसनीखेज से बचना चाहिए और तथ्यपरक, संवेदनशील तथा जवाबदेह भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए, नशे को मनोरंजन या मामूली विषय न बनाकर उसे अपराध एवं सामाजिक समस्या के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

इससे पहले, पीआईबी चंडीगढ़ के मीडिया एवं संचार अधिकारी अहमद खान ने वार्ता के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वार्ता जन कल्याण योजनाओं को मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है। उन्होंने वर्कशॉप के दौरान सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न विभागों एवं इकाइयों के कामकाज पर प्रस्तुतिकरण दिया। श्री खान ने कार्यक्रम का संचालन किया और प्रशासन और मीडिया कर्मियों का धन्यवाद किया।

इस मौके पर सीडीएलयू सिरसा से डा. एम. काशिफ किदवई ने पर्यावरण संरक्षण व पराली प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों, वर्तमान स्थिति और भविष्य की जरूरतों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि किसान को कृषि की आधुनिक तकनीकों को अपना कर आर्थिक रूप से सुदृढ होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी भागीदार बन सकते हैं। इसी तरह सीडीएलयू के जनसंचार विभाग से डा. अमित सांगवान ने ड्रग डी-एडिक्शन में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्होंने उपस्थित मीडिया कर्मियों से आह्वान किया कि जो लोग नशे की गर्त से बाहर निकल गए हैं, वे नशा पीड़ितों के लिए एक उदाहरण होते हैं। यदि उनकी सकारात्मक खबरें समाज में आए तो नशा पीड़ित भी उपचार के लिए प्रेरित होंगे। इस मौके पर विभिन्न मीडिया संस्थानों से आए मीडिया कर्मियों ने वार्ता जैसी वर्कशॉप को भविष्य में भी आयोजित करने का आह्वान किया और इसे मीडिया, जिला प्रशासन व सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

न्यूज डायरी

हरियाणा योग आयोग द्वारा हरियाणा सिविल सचिवालय में करवाया गया योग ब्रेक (वाई ब्रेक)

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सिविल सचिवालय चण्डीगढ के सहयोग से हरियाणा योग आयोग द्वारा कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए संचालित योग केंद्र एक वर्ष पूर्व शुरू किया गया था। इस केंद्र के योग शिक्षकों द्वारा सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मानसिक तनाव से निकालने और स्वास्थ्य के प्रति सजग करने के उद्देश्य से प्रति दिन किसी न किसी शाखा में योग की क्रियाएं करवाई जा रही है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा सिविल सचिवालय में प्रतिदिन 5 मिनट के लिए योग ब्रेक (वाई ब्रेक) करवाया जाता है। जिससे कर्मचारियों के तनाव को कम करने के साथ-साथ शारीरिक व मानसिक योग क्रियाएं करवाई जाती है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय की अनुशंसा पर शुरू की गई इस पहल से कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने और तनाव कम होने और शारीरिक- मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाना है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा योग आयोग द्वारा इस केंद्र के माध्यम से सचिवालय के लगभग शाखाओं में योग क्रियाएं करवाई जा चुकी है और यह गतिविधि जारी है। योग शिक्षकों द्वारा सचिवालय स्थित डा भीम राव अम्बेडकर कांफ्रेंस हाल, योग केंद्र पर प्रतिदिन सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक योग की विशेष कक्षाएं लगाई जाती है। आज योग डेमोंस्ट्रेटर श्री रमेश भाटी ने सचिवालय स्थित सूचना, जनसम्पर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की प्रेस शाखा के अधिकारियों व कर्मचारियों को आज योग करवाया और बताया कि कैसे हम अपने व्यस्त समय में से योग के लिए 5 मिनट का समय निकाल सकते है। जिससे बढ़ रहे तनाव को कम करके कार्य क्षमता को अधिक बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि स्वस्थ रहने के लिए योग करना उतना ही जरूरी है जितना जीवित रहने के लिए पानी का पीना है। इसलिए हमें प्रतिदिन किसी न किसी समय योग के लिए जरूर समय देना चाहिए। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का वास होता है।

जनता को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश की जनता को उनके घरों के नजदीक सस्ती, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण व शहरी दोनों स्तरों पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है, ताकि लोगों को इलाज के लिए दूरदराज के अस्पतालों पर निर्भर न रहना पड़े।

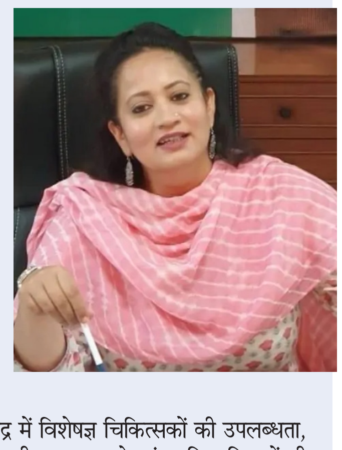

स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए रेवाड़ी जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) भाड़ावास को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के रूप में अपग्रेड करने की सैद्धांतिक स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा प्रदान कर दी गई है। इस निर्णय से क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में बड़ा विस्तार होगा।

अपग्रेडेशन के बाद इस केंद्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, उन्नत जांच सुविधाएं, आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक बिस्तरों की व्यवस्था तथा आधुनिक मेडिकल उपकरणों की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इससे भाड़ावास सहित आसपास के गांवों के हजारों लोगों को इलाज में बड़ी राहत मिलेगी, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को समय पर चिकित्सा सहायता प्राप्त होगी।

आरती सिंह राव ने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक बिना आर्थिक और भौगोलिक बाधाओं के गुणवत्तापूर्ण उपचार प्राप्त कर सके। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार आने वाले समय में भी स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने के लिए और कई महत्वपूर्ण कदम उठाती रहेगी।

शीत लहरों के बीच सूरज की किरणों ने ब्रह्मसरोवर पर बिखेरा अपनी सौन्दर्यता का रंग

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में जहां शिल्पकार अपनी अदभुत और अनोखी कला से लोगों को आकर्षित करने का काम कर रहे है। वहीं इन शीत लहरों के बीच सूरज की किरणें भी ब्रह्मसरोवर पर अपनी सौन्दर्यता का रंग बिखेर रही है। इन लोक कलाकारों की लोक कला की गूंज प्रदेश ही नहीं विदेशों तक सुनाई दे रही है। ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से विदेशी भी इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के पल-पल का आनंद ले रहे है।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के 20वें दिन वीरवार को ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर हजारों की संख्या में पहुंचे पर्यटक जहां शिल्पकारों की हस्तशिल्प कला को देखकर हैरान है, वहीं पर्यटक इन हस्तशिल्प कला से बनी अद्भुत वस्तुओं की जमकर खरीदारी कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में देश के कोने-कोने से यादगार लम्हों को आत्मसात करने के लिए लाखों पर्यटक ब्रह्मसरोवर पर पहुंचे।

मध्य प्रदेश विधान सभा में हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का स्वागत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वीरवार को भोपाल पहुंचकर मध्य प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही देखी। इससे पूर्व श्री कल्याण मध्य प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निमंत्रण पर भोपाल स्थित बोट क्लब पहुंचे, जहां वे पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित शिकारा नाव के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए। यहां पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की। इस दौरान शहरी स्थानीय निकाय विभाग और विधान सभा अध्यक्ष पद के कार्यों को लेकर गहन चर्चा हुई। इस चर्चा के दौरान श्री कल्याण ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग प्रत्यक्ष रूप से आम आदमी से जुड़ा विभाग है। विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन के साथ साथ नागरिकों की जरूरतों को पूरा करना भी इस विभाग का दायित्व है। अधिकारी निष्ठाभाव से कार्य करके ही इन जिम्मेदारियों पर खरा उतर सकते हैं। इस दौरान विधान सभा की तर्ज पर नगर निगम में अध्यक्ष पद के सृजन पर भी चर्चा हुई।इस यात्रा के दौरान श्री कल्याण भोपाल में शहीदों की याद में स्थापित शौर्य स्मारक पर भी गए। यहां उन्होंने शहीदों को नमन करते हुए विजिटर रजिस्टर में लिखा कि यह एक अति प्रेरणादायी स्थल है। इसके भ्रमण से प्रत्येक व्यक्ति में देश प्रेम और देश भक्ति की भावना प्रबल होती है। इस दौरे पर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की धर्मपत्नी श्रीमती रेशमा कल्याण भी उनके साथ मौजूद रहीं। मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने श्रीमती कल्याण का स्वागत किया।

डॉ. अरविंद शर्मा ने किया गोहाना चीनी मिल के 25वें पेराई सत्र का शुभारंभ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने आज चौधरी देवीलाल सहकारी चीनी मिल, गोहाना के 25वें पेराई सत्र 2025-26 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह मिल केवल औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत, क्षेत्र की धड़कन और हजारों परिवारों की आजीविका का आधार है। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रीटा शर्मा भी उपस्थित रहीं।

डॉ. शर्मा ने कहा कि किसान की मेहनत, पसीना और विश्वास ही इस मिल की सबसे बड़ी पूंजी है। हरियाणा सरकार किसानों को समय पर भुगतान, मिल संचालन में सुधार और नई तकनीक अपनाने को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि गन्ने की अगेती किस्म का भाव 415 रुपये और पछेती किस्म का भाव 408 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। पिछले पेराई सत्र में प्रदेश के किसानों को 1211 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जिनमें गोहाना मिल के 80 करोड़ और सोनीपत मिल के 103 करोड़ रुपये शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिलों में लागू ऑनलाइन टोकन सिस्टम से किसानों के समय की बचत हुई है। गन्ना कटाई में श्रम संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कृषि विभाग के सहयोग से सब्सिडी पर हार्वेस्टिंग मशीनें उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी तेज की जा रही है।

सहकारिता मंत्री ने मिल प्रबंधन को निर्देश दिए कि किसान, कर्मचारी और मजदूर मिल की रीढ़ हैं, इसलिए उनके सम्मान और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन से ही मिल की कार्यप्रणाली और मजबूत होगी तथा यह पेराई सत्र खुशहाली और नए अवसरों का सत्र बनेगा।

डॉ. शर्मा ने पिछले वर्ष पुराने गन्ना किसानों को दोबारा मिल से जोड़ने के अपने आह्वान की याद दिलाते हुए जनप्रतिनिधियों और प्रबंधन से इस दिशा में और प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में सहकारिता क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सहकारिता विभाग और शुगर फेडरेशन किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

समारोह में गोहाना सहकारी चीनी मिल के चेयरमैन एवं उपायुक्त सुशील सारवान ने किसानों से साफ-सुथरा गन्ना लाने की अपील की ताकि बेहतर रिकवरी प्राप्त हो सके।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री डॉ. शर्मा ने सीजन 2024-25 में सर्वाधिक गन्ना आपूर्ति और सबसे साफ गन्ना लाने वाले किसानों को सम्मानित किया। गांव बुसाना के संजय (16625 क्विंटल) और भैंसवाल कलां के दर्शन (7727 क्विंटल) को सबसे अधिक गन्ना आपूर्ति के लिए सम्मानित किया गया। वहीं साफ-सुथरा गन्ना लाने के लिए गांव आहुलाना के दिनेश, गांव कासंडा के सुमेर और गांव खंदराई के सुरेंद्र को सम्मानित किया गया। वर्ष 2025-26 पेराई सत्र के तहत बुग्गी पर सबसे पहले गन्ना लेकर आने वाले गांव आहुलाना के दल सिंह और ट्रैक्टर-ट्रॉली से सबसे पहले गन्ना लाने वाले गांव छिछड़ाना के किसान कृष्ण को विशेष सम्मान दिया गया।

संत-महात्मा और गुरु हमारी अमूल्य धरोहर हैं: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत-महात्मा और गुरु हमारी अमूल्य धरोहर हैं। उनकी शिक्षाओं से हम सबको मार्गदर्शन मिलता है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम इन महान विभूतियों की विरासत को संभालें और सहेज कर रखें। इसी उद्देश्य से सरकार ने प्रदेश में संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना चलाई हुई है।

मुख्यमंत्री ने यह बात वीरवार को कुरुक्षेत्र के लाडवा में संत शिरोमणि सेन भगत की जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए कहीं। उन्होंने इस दौरान करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की घोषणा करते हुए कई बड़ी सौगातें भी दी।

समारोह में मुख्यमंत्री ने सेन समाज को 51 लाख रुपये, कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, श्री रणबीर गंगवा तथा श्री कृष्ण बेदी ने 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार संतों और महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। इसका उद्देश्य है कि आने वाली पीढ़ी उनके विचारों से प्रेरित हो और उनके जीवन से मार्गदर्शन प्राप्त कर सके। संत-महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए सरकार ने प्रदेश में कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। इसके तहत पिछड़े वर्गों के उत्थान व कल्याण के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन भी किया है।

सेन समाज परिश्रमी और स्वाभिमानी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत शिरोमणि सेन भगत जी महाराज का जन्म विक्रमी संवत 1557 में, वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की द्वादशी को मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ में हुआ था। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि सेन भगत ने गृहस्थ जीवन के साथ-साथ भक्ति मार्ग पर चलकर सत्य, अहिंसा और प्रेम का संदेश दिया। उन्होंने संत श्री रामानंद जी से दीक्षा प्राप्त की। इसके बाद अनेक तीर्थ स्थलों की यात्रा की।

उन्होंने ने कहा कि महान संत शिरोमणि सेन महाराज का अनुयायी सेन समाज परिश्रमी और स्वाभिमानी समाज है। सेन समाज में महान शासक, स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी महापुरुष हुए हैं। सेन राजवंश ने 12वीं शताब्दी के मध्य से 160 वर्षों तक बंगाल पर शासन किया। इनमें हेमन्त सेन, विजय सेन, बल्लाल सेन, लक्ष्मण सेन और सूर्य सेन जैसे शासक प्रमुख थे। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में भी सेन समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चटगांव विद्रोह के नायक सूर्य सेन को आज भी हम श्रद्धा से याद करते हैं। उन्होंने 12 जनवरी, 1934 को फांसी के फंदे को चूमा था। उनका बलिदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि राजनीति में भी सेन समाज ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। समाजवादी नेता और भारत रत्न स्वतंत्रता सेनानी कर्पूरी ठाकुर ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गरीब व जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत सालाना 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। इस योजना के तहत 25 लाख से अधिक लोगों के इलाज के लिए 4124 करोड़ रुपये के क्लेम दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना शुरू की गई है। इस योजना में प्रदेश के 30 हजार 655 कारीगरों का कौशल प्रशिक्षण पूरा हो चुका है, इसके अलावा, 6 हजार कारीगरों को 56 करोड़ रुपये के ऋण दिये जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी समाज का उत्थान करने के लिए उसे आधुनिक शिक्षा देना भी जरूरी है। इसलिए सरकार ने हरियाणा पिछड़े वर्गों को शैक्षणिक संस्थाओं तथा नौकरियों में दाखिले में 27 प्रतिशत आरक्षण दिया हैं। पिछड़े वर्गों के परिवारों के बच्चों की पढ़ाई के लिए देश में 15 लाख रुपये तथा विदेश में 20 लाख रुपये तक का ऋण 4 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर दिया जाता है।

लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं के खातों में भेजी किस्त

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने तीसरे कार्यकाल के एक साल की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि सरकार ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 7,01,965 महिलाओं के खातों में दूसरी किस्त डाल दी है। प्रदेश सरकार ने पट्टेदार किसानों को मालिकाना हक देने का काम किया। इसी तरह सरकार ने किसानों को फसल खराबे के 15 हजार 627 करोड़ रुपए किसानों के खातों में भेजे हैं। पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर की वार्षिक आय सीमा 6 लाख रुपए से बढ़ाकर 8 लाख रुपए की गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पेपरलेस रजिस्ट्री करवाई जा रही हैं।

भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं, बदलावों और चुनौतियों को समझते हुए फ्यूचर रेडीनेस की और बढ़ें - मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कृषि विभाग बदलते समय और घटती कृषि भूमि को ध्यान में रखते हुए किसानों को वर्टिकल फार्मिंग जैसी आधुनिक तकनीकों की ओर प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा कि भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं, बदलावों और चुनौतियों को समझते हुए विभाग फ्यूचर रेडीनेस की और गति से बढे।

मुख्यमंत्री वीरवार को डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे, ने कहा कि कृषि और बागवानी विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का मूल्यांकन करते हुए यह देखा जाए कि अगले 10 वर्षों में इन क्षेत्रों में कौन-कौन सी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। विभाग इस सम्बन्ध में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पूरे वर्ष एक स्पष्ट विज़न के साथ प्रभावी प्लानिंग करते हुए कार्य करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें ऐसी तकनीक की तरफ बढ़ना है जिससे किसान फसल अवशेष को न जलाये। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग और डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर मिलकर ऐसी तकनीक उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करें जिससे किसान पराली न जलाए और फसल अवशेष किसान के खेत से सरलता से हट सके। इसी प्रकार, फसल में निर्धारित नमी मानक को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित उद्योगों के साथ बैठक कर ऐसे प्रबंध किये जाएँ ताकि मशीन/कंबाइन से निकलने वाली फसल निर्धारित नमी से कम स्तर पर ही प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश में कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व सुधार हुआ है, गन्नौर में बन रही अंतरराष्ट्रीय हॉर्टिकल्चर मार्केट पर भविष्य में अत्यधिक दबाव बढ़ेगा। इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए विभाग अपनी 10–20 वर्षों की दीर्घकालिक योजना पर कार्य करे। उन्होंने कहा कि विश्वभर में जिन नई फसलों की मांग बढ़ रही है, उसे ध्यान में रखते हुए, हरियाणा को अपने प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के अनुसार किसानों को उन फसलों की ओर अग्रसर करना ही हमारा फ्यूचर रेडीनेस होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सभी विभाग भविष्य की दीर्घकालिक योजनाओं के लिए एआई उपयोग और डिजिटल गवर्नेंस को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य करें। बैठक में डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी. कुमार ने विभाग के प्रारंभिक कार्यों और प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज अग्रवाल, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाइन, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री राज नेहरू, डिपार्टमेंट ऑफ फ्यूचर के निदेशक डॉ. आदित्य दहिया तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा की जेलों में कौशल विकास पहल और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों होंगे शुरू

भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा 6 दिसंबर जिला जेल गुरुग्राम से की जाएगी शुरुआत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, हरियाणा सरकार के साथ मिलकर प्रदेश की विभिन्न जेलों में कौशल विकास केंद्रों, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों और आईटीआई-स्तरीय व्यावसायिक प्रशिक्षण की शुरुआत करेगा। इसका उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा 6 दिसंबर 2025 को जिला जेल, गुरुग्राम में किया जाएगा।

इस अवसर पर भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति शील नागू तथा उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीश भी मौजूद रहेंगे।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि न्यायमूर्ति कुलदीप तिवारी की अध्यक्षता वाली 'विचाराधीन / जेल कैदियों के पुनर्वास एवं कौशल विकास' संबंधी समिति के निरंतर प्रयासों ने इस पहल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका साझा दृष्टिकोण इस विश्वास को रेखांकित करता है कि जेलों को सुधार, क्षमता निर्माण और मानवीय गरिमा के संस्थानों के रूप में विकसित होना चाहिए।

हरियाणा की जेलों में पॉलिटेक्निक और कौशल विकास कार्यक्रमों का उद्घाटन सुधारात्मक न्याय के प्रति राज्य के दृष्टिकोण में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है। इस पहल के तहत कैदियों को व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच प्राप्त होगी, जिसमें कंप्यूटर ऑपरेटर और प्रोग्रामिंग सहायक, वेल्डर, प्लंबर, ग्रेस मेकर, इलेक्ट्रीशियन, वुडवर्क टेक्नीशियन, सिलाई तकनीक और कॉस्मेटोलॉजी जैसे व्यवसायों में आईटीआई पाठ्यक्रम और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय पॉलिटेक्निक डिप्लोमा शामिल है। इस पहल का उद्देश्य कैदियों को वर्तमान उद्योग की मांगों के अनुरूप रोजगारपरक कौशल से परिपूर्ण करना है। इन कार्यक्रमों की न केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के लिए बल्कि कैदियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और उद्देश्य का संचार करने के लिए भी रूपरेखा तैयार की गयी है।

इस कार्यक्रम का व्यापक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रिहाई के बाद, कैदियों पर सामाजिक अस्वीकृति या आर्थिक अनिश्चितता का बोझ न पड़े, बल्कि उन्हें सार्थक रोजगार पाने के लिए आवश्यक कौशल और योग्यताएँ प्रदान की जाएँ। यह इस सिद्धांत का प्रतीक है कि प्रत्येक व्यक्ति, चाहे उसके पिछले कर्म कुछ भी हों, अपने भीतर सुधार, विकास और पुनः एकीकरण की क्षमता रखता है। इन शैक्षिक और व्यावसायिक हस्तक्षेपों के माध्यम से, कार्यक्रम का उद्देश्य फिर से अपराध करने की दर को घटाना, वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देना और कैदियों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है।

उन्होंने बताया कि सुधारात्मक परिवर्तन के साथ-साथ, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हालसा) ने एक व्यापक नशा विरोधी जागरूकता अभियान की भी संकल्पना की है , जिसका इसी कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन किया जाएगा। यह पहल पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की न्यायाधीश एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हालसा) की कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति लिसा गिल के मार्गदर्शन और दूरदर्शिता के तहत आकार ले रही है। यह महत्वाकांक्षी एक महीने तक चलने वाला राज्यव्यापी नशा-विरोधी जागरूकता अभियान, पूरे राज्य में युवाओं और उनके परिवारों को प्रभावित करने वाले मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के मामलों में खतरनाक वृद्धि को दूर करने के लिए शुरू किया जाएगा। यह अभियान लक्षित सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों के बीच निरंतर व्यावहारिक परिवर्तन लाने का प्रयास करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और समुदाय के सदस्यों को मादक द्रव्यों की लत के स्वास्थ्य संबंधी खतरों, मनोवैज्ञानिक प्रभावों और दीर्घकालिक परिणामों के बारे में शिक्षित करना है।